

मुक्त बेसिक शिक्षा स्तर-ख (कक्षा-5) सिंधी

B 130



राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62

नोएडा-201309 (उत्तर प्रदेश)

वेबसाइट : www.nios.ac.in | टॉल फ्री नं. : 18001809393

एनआईओएस वाटरमार्क 70 जीएसएम पेपर पर मुद्रित।

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

मुद्रण :, 2024 (..... प्रतियाँ)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201309 द्वारा प्रकाशित एवं मैसर्स
..... द्वारा मुद्रित।

सलाहकार-समिति

प्रो. सरोज शर्मा

अध्यक्ष

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. राजीव कुमार सिंह

निदेशक (शैक्षिक)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. बालकृष्ण राय

उप निदेशक (शैक्षिक)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

पाठ्यक्रम-समिति

प्रो. (डॉ.) हासो दादलानी

प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत्त)

कॉलेज शिक्षा विभाग

अजमेर (राजस्थान)

प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश

टेकचंदानी

निदेशक

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद
दिल्ली

डॉ. हृंदराज बलवानी

अकादमिक सचिव

गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक

बोर्ड, गांधीनगर (गुजरात)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलानी

सहायक प्रोफेसर

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय

महाविद्यालय

अजमेर (राजस्थान)

श्री अशोक के. मुक्ता

अध्यापक (सेवानिवृत्त)

उल्हासनगर म्यूनिसीपल कॉर्पोरेशन

उल्हासनगर (महाराष्ट्र)

श्रीमती कांता मथरानी

प्राचार्य

राजकीय मॉडल बालिका

उच्च माध्यमिक विद्यालय

सुंदर विलास, अजमेर (राजस्थान)

श्री एम. वी. भीमानी

अध्यापक (सेवानिवृत्त)

सरकारी कन्याशाला

ऊना (गुजरात)

श्री विजय राजकुमार मंगलानी

प्रधानाध्यापक

आर. एस. आदर्श हाई स्कूल

भूसावल (महाराष्ट्र)

श्रीमती हीना सामनानी

वरिष्ठ अध्यापिका

सरकारी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक

विद्यालय

जयपुर (राजस्थान)

डॉ. तमन्ना लालवानी

सहायक अध्यापिका

महात्मा गांधी हाई स्कूल

अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. राजीव कुमार सिंह

निदेशक (शैक्षिक)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

नोएडा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. बालकृष्ण राय

उप निदेशक (शैक्षिक)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा

सलाहकार (सिंधी भाषा)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

नोएडा (उत्तर प्रदेश)

संपादक-मंडल

प्रो. (डॉ.) हासो दादलानी
प्राचार्य एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत्त)
कॉलेज शिक्षा विभाग,
अजमेर (राजस्थान)

**प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश
टेकचंदानी**
निदेशक
राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास
परिषद, दिल्ली

डॉ. हृंदराज बलवानी
अकादमिक सचिव
गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक
बोर्ड, गांधीनगर (गुजरात)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलानी
सहायक प्रोफेसर
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय
महाविद्यालय, अजमेर (राजस्थान)

श्री अशोक के. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)

श्री एम. वी. भीमानी
अध्यापक (सेवानिवृत्त)
सरकारी कन्याशाला,
ऊना (गुजरात)

श्री विजय राजकुमार मंगलानी
प्रधानाध्यापक
आर. एस. आदर्श हाई स्कूल
भूसावल (महाराष्ट्र)

श्रीमती इंद्रा टेकचंदानी
अध्यापिका
साधू वासवानी इंटरनेशनल स्कूल
फॉर गर्ल्स, दिल्ली

डॉ. तमन्ना लालवानी
सहायक अध्यापिका
महात्मा गांधी हाई स्कूल,
अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा
संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा
संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

पाठ लेखक

डॉ. जेठो लालवानी
लेखक
पूर्व निदेशक (एन.सी.पी.एस.एल.)
अहमदाबाद (गुजरात)

डॉ. रमेश एस. लाल
सचिव
सिंधी अकादमी, दिल्ली

डॉ. लक्ष्मण टी. चांदवानी
सहायक प्रोफेसर
आर. के. तलरेजा कॉलेज
उल्हासनगर (महाराष्ट्र)

श्री एम. वी. भीमानी
अध्यापक (सेवानिवृत्त)
सरकारी कन्याशाला, ऊना (गुजरात)

श्री अशोक एम. मुक्ता
अध्यक्ष
सिंधी पाठ्य पुस्तक समिति
बाल भारती, पुणे (महाराष्ट्र)

डॉ. चंद्र प्रकाश दादलानी
सहायक प्रोफेसर
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय
महाविद्यालय
अजमेर (राजस्थान)

श्री विजय राजकुमार मंगलानी
प्रधानाध्यापक
आर. एस. आदर्श हाई स्कूल
भूसावल (महाराष्ट्र)

डॉ. तमन्ना लालवानी
सहायक अध्यापिका
महात्मा गांधी हाई स्कूल
अहमदाबाद (गुजरात)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा
संस्थान, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

पाठ्यक्रम-समन्वयकर्ता

डॉ. बालकृष्ण राय
उप निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती मीना शर्मा
सलाहकार (सिंधी भाषा)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उत्तर प्रदेश)

रेखाचित्रांकन

जुनैद डिजिटल आर्ट
दिल्ली

डी.टी.पी. कार्य

आशा प्रिन्टर्स
हाथी भाटा, अजमेर (राजस्थान)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित एवं एन.सी.पी.एस.एल. की योजना के अन्तर्गत विकसित

ਫ਼ਹਿਰਿਸ਼ਤ

ਨੰਬਰ	ਸਬਕ਼ ਜੋ ਨਾਲੋ	ਸਿਨ੍ਫ਼	ਮੂਲ ਭਾਵ	ਸੁਫ਼ਹੇ
1.	ਜੇ ਸੰਸਾਰ ਮੇਂ ਸਿਜੁ ਨ ਹੁਜੇ ਹਾ	ਕਵਿਤਾ	ਕਲਪਨਾ ਸ਼ਕਤੀ	1-6
2.	ਥੋਰੀ ਬਚਤ ਘਣੀ ਰਾਹਤ	ਮਝਮੂਨ	ਪੈਸੇ ਜੀ ਅਹਮਿਯਤ	7-15
3.	ਮਿਠਿਡੀ ਮੁਰਕ	ਕਵਿਤਾ	ਵਿਦਯਾ ਦਾਨ	16-25
4.	ਭਰਤ ਜੋ ਪ੍ਧਾਰੁ	ਪ੍ਰਸੰਗ	ਤ੍ਯਾਗੁ ਭਾਵਨਾ	26-33
5.	ਨਿਮਾਣੀ ਨੂਰੀ	ਕਹਾਣੀ	ਲੋਕ ਅਦਬ ਏਂ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ	34-41
6.	ਸਵਾਮੀ ਸੁਖਦੇਵ ਸਾਹਿਬ	ਲੇਖ	ਧਾਰਮਿਕ ਭਾਵਨਾ	42-47
7.	ਦੇਸ਼ ਅਸਾਂਜੋ	ਕਵਿਤਾ	ਰਾਸ਼ਟ੍ਰ ਪ੍ਰੇਮ	48-52
8.	ਵਾਧੂ	ਮਝਮੂਨ (ਜਾਨਵਰ)	ਪਰ੍ਯਾਵਰਣ	53-59
9.	ਸਿੰਧੀ ਲੋਕ ਨ੍ਰਿਤ੍ਯ	ਲੇਖ	ਲੋਕ ਅਦਬ	60-66
10.	ਵਣ ਟਿਣ ਏਂ ਬੇਲਾ	ਮਝਮੂਨ	ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਤਿ	67-74
11.	ਕੋਰੋਨਾ	ਲੇਖ (ਮਹਾਮਾਰੀ)	ਸਿਹਤ	75-81

1

जे संसार में सिजु न हुजे हा

सुबुह थींदे ई थधी थधी हीर लगंदी आहे। चौतरफ़ ताजगी छांइजी वेंदी आहे। सिजु उभिरण ते डींहं जी शुरूआति थी वेंदी आहे। पखी पसूं इंसान पंहिंजे पंहिंजे कम कार खे लगी वेंदा आहिनि। सभिनी जीवनि जो आधार सिजु ई आहे।

जरा सोचियो- जेकडहिं सिजु न हुजे हा त....

इन बाबत अचो त बैत में समुझूं।



सिखण जा नतीजा

हिन बैत खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- बैत बाबत सुवाल पुछी कल्पना शक्तीअ जो इस्तेमाल कनि था।
- कृदिरती वसीलनि बाबत पंहिंजो रदअमल ज़ाहिर कनि था।
- भाषा जे बारीकियुनि, जीअं त लफ़्ज़नि जे दुहिराअ, ज़मीर, अदद बाबत ध्यान डेई लिखनि था।
- अलग्ग अलग्ग रचनाउनि में आयल नवनि लफ़्ज़नि खे हवाले में समुझी, उन्हनि जी माना समुझनि था।



1.1 बुनियादी सबकु

जे संसार में सिजु न हुजे हा,
 केरु एडो प्रकाश डिए हा?
 डीहं बि गोया रात लगे हा,
 बारहो ई बस रात हुजे हा,
 पोइ माण्हू कडहिं, कीअं सुम्हे हा?
 जे संसार में सिजु न हुजे हा।



वण टिण, बूटा गुल न हुजनि हा,
 झिर्कियूं, तोता किथे विहनि हा?
 सावक जे लइ सभेई सिकनि हा।
 पोइ को बिजु छा लाइ छटे हा?
 जे संसार में सिजु न हुजे हा।
 जूअरि, बाझर, किथां मिलनि हा?
 कणिक ऐं चांवर किथे हुजनि हा?
 मटर, चणा, मुड किथे डिसिजनि हा?
 जे संसार में सिजु न हुजे हा।

(वासदेव 'निर्मल')



1.2 अचो त समुझूं

धरती, वण-टिण, झंगल, समुंड, आसमान, सिजु, चंड, तारा, पसूं-पखी, जीव-जंतु, जड़ चेतन
 वगैरह सभु हिक बिए सां नातो रखनि था ऐं हिक बिए ते मदारु रखंदड़ आहिनि। इएं खणी चइजे त
 इन्हनि सभिजी जी हिक बिए सां गुंढियल जंजीर आहे। इन्हीअ जंजीर जी जेकडहिं हिक कडी बि टुटी
 पवे त जीअणु मुहाल थी पवंदो ऐं सजी सृष्टी नास थी वेंदी। जीअं गुलनि जी माला मां हिकु गुल कढी
 छडिबो त सजी माला टिडी पखिड़िजी वेंदी।

सिजु हिकु कुदिरती शफाखानो आहे। हिन बैत में संसार में सिज जे हुजण जी अहमियत जो जिकिरु कयल आहे। सिज जी अहमियत ते गौरु कराईदे चयल आहे त जे संसार में सिजु न हुजे हा त असां खे एडो प्रकाश, रोशनी केरु डिए हा? डींहुं बि रात वांगुरु लग्गे हा याने बारहां ई महीना रात वारो माहौल हुजे हा। माण्हू कंहिं वक्ति सुम्हे हा, उन जो को नेम-टेम बि न हुजे हा। वणनि बूटनि खे सिज जी रोशनी न मिले हा; वण-टिण, बूटा, गुल, फल बि न हुजनि हा। बिज खे फुटण लाइ सिज जी रोशनी जरूरी आहे, उन बिना सलो बि नथो उभिरी सघे। त बिज बि कोई छो छटे हा? वण ऐं बूटा कीअं वधनि हा? पखियुनि पसुनि खे आसिरो कीअं मिले हा? पखी पंहिंजा आखेरा किथे ठाहीनि हा? किथे विहनि हा? सभेई सावक लाइ सिकनि हा। सिजु शक्तीअ जो वाहिदु वसीलो आहे। उन जे वजूद सां असांजो संसार चक्र हले थो। चंडु बि सिज जी रोशनीअ सां रोशन थिए थो। असांखे सिज जी शक्तीअ जी अहमियत खे समुझिणो आहे।



सबक बाबत सुवाल 1.1

1. हेठियां खाल भरियो :

- जे संसार में सिजु न हुजे हा, केरु एडो डिए हा।
- पोइ माण्हू कडहिं, कीअं हा।
- वण टिण, गुल न हुजनि हा।
- झिर्कियूं तोता किथे हा?
- बाझर, किथां मिलनि हा?

2. सही (✓) ऐं गलत (×) जा निशान लगायो :

संसार में जे सिजु न हुजे हा त....

- चंड जी रोशनीअ सां रोशन थिए हा। ()
- बारहो ई बस रात हुजे हा। ()
- वण, टिण, बूटा, गुल हुजनि हा। ()

(iv) पोइ हरिको बिजु छटे हा।

()

(v) हर तरफ़ सोक हुजे हा।

()



मशिंगूलियूं 1.1

- (1) 'जे संसार में सिजु न हुजे हा त....' विषय ते 200 लफ़ज़नि में मज़मून लिखो।
- (2) सूर्य शक्तीअ ते हलंदड़ हथरादू वसीलनि जी फ़हिरिस्त ठाहियो।
- (3) सूर्य शक्तीअ ते हलंदड़ वसीलनि मां किनि बि टिनि वसीलनि जी तस्वीर पंहिंजी कापीअ में कढो ऐं रंग भरियो या तस्वीर लगायो।



तव्हीं छा सिखिया

- सिजु शक्तीअ जो वड्डे में वड्डो कुदिरती वसीलो आहे।
- सिज जी रोशनी शक्तीअ जी संसार में खासि अहमियत आहे।
- सिज जी रोशनीअ करे डींहं-रात थियनि था।
- वण-टिण, बूटा गुल, अनाज, भाजियुनि जी पैदावार थिए थी।



वधीक जाण

सूर्य मंडल में ग्रहनि जो सिलसिलो सिज जी नज़दीकीअ खां परे ताई हिन रीत आहे-
बुध, शुक्र, धरती, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्युन।



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) सिज जे करे असां खे छा मिले थो?
- (ii) पंजनि अनाजनि जा नाला लिखो।
- (iii) पंजनि भाजियुनि जा नाला लिखो।

2. हेठियां लफ़्ज़ कमि आणे जुमिला ठाहियो ऐं लिखो :

- (i) प्रकाश (ii) गुल
- (iii) झिर्की (iv) बिजु
- (v) कणिक

3. 'सिजु असां लाइ तमामु घणो कारगर आहे, छो त....' पंज जुमिला लिखो।

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

- 1. (i) प्रकाश
- (ii) सुम्हें

(iii) बूटा

(iv) विहनि

(v) जूअरि

2. (i) ×

(ii) ✓

(iii) ×

(iv) ×

(v) ✓



नवां लफ़्ज़

- प्रकाश = रोशनी
- गोया = ज़णुत
- बारहो ई = बारहं ई महीना, हमेशा
- सावक = सावाणि, हरियाली
- सिकनि = तड़िफनि

थोरी बचत घणी राहत

हिन सबक में शागिर्द बचत जी अहमियत समुझंदा। मुख्य तौर पैसनि जी बचत बाबत सिखंदा। पैसो सभु कुझु न आहे, पर पैसनि खां सवाइ जिंदगी गुजारणु बि मुश्किल आहे। इनकरे सभिनी खे नंढे हूंदे खां ई बचत जा गुण अपनाइणु घुरिजनि।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- पैसनि जी अहमियत बाबत पंहिंजनि वडनि खां सुवाल पुछनि था।
- पैसा बचाइण मां फाइदनि बाबत दोस्तनि सां गाल्हि बोल्हि कनि था।
- गैर जरूरी शयुनि ते खर्च करण खां बची सघनि था।
- अण बुधल लफ़्ज़नि जी माना शब्दकोश मां गोलहीनि था। ऐं पंहिंजनि जुमिलनि में कमु आणिनि था।



2.1 बुनियादी सबक

सिंधीअ में हिकु पहाको आहे 'उहो की कजे, जो मीहं वसंदे कम अचे।' इहो सेखारे थो त पंहिंजीअ कमाईअ मां कुझु बचाए रखिजे, जो औखीअ वेल कमु अचे। लखापती माण्हू बि जेकडहिं

बचत नथो करे त खेसि डुखिए
वक्त में पीड़ाऊं भोगिणियूं पवनि
थियूं।

असां खे बिनि किस्मनि जा
खर्च करिणा पवनि था- पहिरियों
खाधे, कपड़े ऐं सामान वगैरह ते
ऐं बियो शादीअ, ग़मीअ, ओचिते
सफ़र या कहीं ओचिते हादसे वगैरह
ते। बिए किस्म जा खर्च ईदड़
वक्त में करिणा पवनि था। हाणे
जेकी कमाइजे, सो जेकड़हिं सभु
स्वाहा करे छड़िबो त कहीं बीमारीअ
वक्त उभ मां रुपयनि जी बरसात

वसंदी छा? या खाली हथें का शादी थी सघंदी छा? आईदे जो ख्यालु न रखंदड़ इंसान खां त माखीअ
जी मखि बि सियाणी आहे, जा पाण लाइ काफी माखी गडु करे रखंदी आहे।

बचत जो नेमु क़दीमु ज़माने खां पिए रहियो आहे। अगे मर्द त छा, पर ज़ालूं बि कुझु पैसा टारे
रखंदियूं हुयूं। उन बचत मां हू औखीअ वेल मर्दनि खे मदद कंदियूं हुयूं। नंढिड़ा बार बि घर जी कुंड
में भंडारो ठाहे, उन में रोज़ानो कुझु पैसा विझंदा हुआ। अजु बि अहिड़ा घणैई मिसाल मिलनि था।

बचत करण मां अनेक लाभ आहिनि- पहिरियों त बचत सबब शादीअ, ग़मीअ वक्ति माण्हूअ
जो हथु नथो मुंझे। बियो इंसान कड़हिं भरीअ में त कड़हिं भाकुर में। ओचितो धंधो बीहिजी वजे थो
या नौकरी ख़तम थी वजे थी त बचत ई माण्हूअ खे पीड़ाउनि खां बचाए थी। टियों बुढापे जे कष्टनि
खां बचण लाइ त बचायलु पैसो ई हिक किस्म जी ढाल साबित थिए थो। चोथों बचत कंदड़ माण्हूअ
में किफ़ायत करणु, पाण ते ज़ाबितो रखणु ऐं रिथा मूजिबु कारोबारु हलाइण वगैरह जा गुण पैदा थियनि
था। जहिं माण्हूअ में बचत करण जी आदत आहे, सो खर्च में छुड़वागु नथो बणिजे। हू किफ़ायत करे
थो ऐं हरकहिं कम जी रिथा अगुवाट ठाहे थो। उहे गुण सुखी ज़िंदगी घारण में वड़ा मददगार ऐं लाजिमी
आहिनि।

बचत घणनि ई तरीकनि सां करे सघिजे थी। चविणी आहे- ‘फुड़ीअ फुड़ीअ तलाउ’। नंढा बार
रोज़ानी खर्चीअ मां कुझु बचाए सघनि था। ज़ालूं घरू खर्च ऐं सींगार जे खर्च में किफ़ायत करे ऐं घर
में पियल बेकार शयूं (काग़ज़, पुराणा दबा वगैरह) विकिणी, काफी कुझु बचाए सघनि थियूं। मर्द



चशिकेदार चीजं ऐं पान सिगरेट वगैरह छुडे, पैसो बचाए सघनि था ऐं शादीअ, गमीअ जे मौकनि ते हजारें रुपयनि जे खर्च मां कुझु पैसा टारे सघनि था।

इहा बचत आहे त नंढी, पर इन मां राहत वडी मिले थी। अजु काल्ह सियाणा माण्हू ऐं सदोरा बार सरकारी बैंकुनि ऐं पोस्ट आफ़ीसुनि में बचत जमा कराए, खूब लाभ वठी रहिया आहिनि।

(इंद्र भोजवाणी)



2.2 अचो त समुझूं

‘सवड़ि आहर पेर डिघेरणु’ इहो पहाको त तव्हां ज़रूरु बुधो हूंदो। इन जो मतलब आहे- जेतिरी सवड़ि जी डेघि हुजे, ओतिरा ई पेर डिघा कजनि। बियनि लफ़ज़नि में जेतिरी आमदनी हुजे, उन खां घटि खर्चु कजे। जेकड़हिं आमदनीअ खां वधीक खर्चु कबो त अगिते हली केतिरियुनि ई मुसीबतुनि जो मुकाबिलो करिणो पवंदो। इन्हीअ करे इहो ज़रूरी आहे त पंहिंजी कमाईअ जो कुझु हिसो बचाए रखणु घुरिजे।



हिन सबक मां तव्हां घणो कुझु सिखिया हूंद। पैसनि जी बचत मां केतिरा ई फ़ाइदा आहिनि। जेकड़हिं असां जेका कमाई कई, उहा सज़ी खर्चु कंदा रहंदासीं त डुखिए वक्त में असां खे केतिरियूं ई तकलीफ़ूं भोगिणियूं पवंदियूं। वक्तु पुछी न ईदो आहे। औखे वक्त में बियनि जे अगियां हथु फहिलाइणु या कर्ज वठण खां पाण खे बचाए सघूं था। बचत कंदे कंदे असां इहो बि सिखूं था त पाण ते ज़ाब्तो कीअं कजे ऐं हर कमु कारि कहिड़ी रिथा सां कजे।



सबक बाबत सुवाल 2.1

1. ‘सिंधीअ में हिकु पहाको आहे’ इहो जुमिलो आहे :

(अ) हाकारी

(ब) नाकारी

(स) सुवाली

2. खाल भरियो :

(i) फुडीअ फुडीअ

(अ) समुंड

(ब) नदी

(स) तलाउ

(ii) असां बचत जमा नथा करे सघूं

(अ) बैंकुनि में

(ब) पोस्ट ऑफीस में

(स) खूह में



मशिंगूलियूं 2.1

- (1) बैंक में अकाऊंट (खातो) कीअं खोलाइजे? इन बाबत बैंक में वजी डिसो ऐं पैसनि जमा कराइण जो तरीको लिखो।
- (2) बियुनि कहिड़ियुनि कहिड़ियुनि शयुनि जी बचत करे सघिजे थी, उन्हनि जी फहिरिस्त ठाहियो। मिसाल पाणीअ जी बचत।



तव्हीं छा सिखिया

- डुखिए वक्त लाइ बचायल पैसा तमाम काराइता हूँदा आहिनि।
- गैर जरूरी शयुनि ते खर्चु न करणु घुरिजे।
- कमाईअ खां वधीक खर्चु न करणु घुरिजे।
- हर कमु पूरी रिथा सां करणु घुरिजे।





वधीक जाण

सिंधी शाहूकारु बोली आहे। जुदा जुदा मौकनि लाइ केतिरा ई पहाका, चवणियूं वगैरह सिंधी बोलीअ जी शान आहिनि। सबक में तव्हां कुझु पहाका ऐं चवणियूं सिखिया। अचो त 'बचत' सां लाग़ापो रखंदड़ बिया पहाका ऐं चवणियूं सिखूं :

- (i) आमदनी अठनी, खर्चा रुपया।
- (ii) उहो की कजे, जो औखीअ वेल कमु अचे।
- (iii) कर्जु, वडो मर्जु।
- (iv) बिए जो बंगलो डिसी पंहिंजी भूंगी न डाहिजे।
- (v) आहे त ईद, न त रोज़ो।
- (vi) नाणे बिना नरु वेगाणो।
- (vii) थोरो डिसी अरहो न थिजे, घणो डिसी सरहो न थिजे।



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. ख़ाल भरियो :

- (i) उहो की कजे, जो वसंदे कमु अचे।
- (ii) इंसानु कडहिं भरीअ में त कडहिं में।
- (iii) फुडीअ फुडीअ
- (iv) थोरी बचत, घणो

2. हिक लफ़्ज़ में जवाब डियो :

- (i) माखीअ जी मखि छा गडु करे रखंदी आहे?
- (ii) बचत जो नेमु कहिडे ज़माने खां आहे?

(iii) नंढिडा ब्रार कंहिं में पैसा जमा कराईदा आहिनि?

(iv) कहिडो गुणु डुखिए वक्त में कम ईदो आहे?

3. अण ठहिकंदड लफ़ज़ मथां गोलो पायो :

मिसालु : 4 11 (अ) 32

(i) पैसा रकम रुपया कागज़

(ii) उभु आसमानु ज़मीन आकास

(iii) गर्मी बरसात मीहं चौमासो

(iv) दुखु खुशी ग़मी पीड़ा

(v) नओं पुराणो क़दीमु प्राचीन

4. निस्बती लफ़ज़नि जा जोड़ा मिलायो :

(i) बैंक	(अ) पैसा
(ii) खर्च	(ब) ईमानदारी
(iii) बीमारी	(स) खातो
(iv) गुणु	(द) डाक्टर

5. ब्रेकेट मां मुनासिब लफ़ज़ ग़ोलहे ख़ाल भरियो :

(कमाईअ, नेम, सींगार, किफ़ायत)

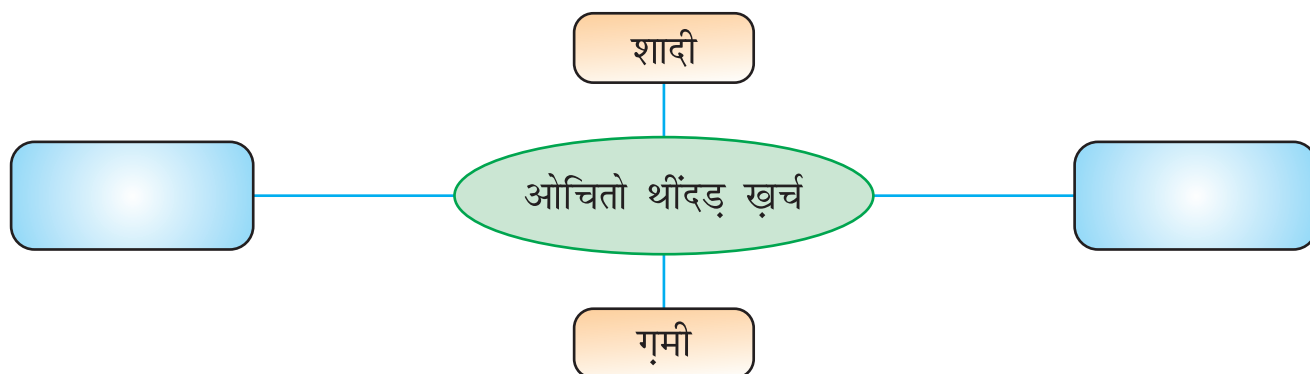
(i) मॉल में तरह तरह जे जूं शयूं रखियल हूंदियूं आहिनि।

(ii) राजेश हमेशह सां सवेल जाग़ंदो आहे।

(iii) असां खे पाणी सां कमु आणणु घुरिजे।

(iv) सुनीता पंहिंजी मां कुझु पैसा बचाईदी आहे।

6. हेठि डिनल खाको पूरो करियो :



7. ब्रेकेट मां सही जवाब गाल्हियो :

(i) अददु जमउ : पहाको -

(पहाको, पहाका, पहाकी)

(ii) माना : वेल -

(वक्तु, ज़मानो, कैलेंडर)

(iii) ज़िदु : खर्चु -

(पैसो, बचत, खरीदारी)

(iv) जुमिले जो किस्मु : बरसात वसंदी छा?

(हाकारी, नाकारी, सुवाली)

(v) अदद वाहिदु : धंधा -

(वापारु, कमुकारि, धंधो)

(vi) सागी माना वारो लफ़्जु : राहत -

(तकलीफ़, खुशी, फ़रहत)

(vii) हम आवाज़ी लफ़्जु : वक्तु -

(घड़ियालु, वाच, सख़्तु)

(viii) जिन्स मोनिस : मर्दु -

(जाल, माण्हू, बारु)

(ix) लागपो रखंदडु लफ़्जु : माखी -

(कौड़ी, तिखी, मिठी)

(x) फ़इल जो असुली रूपु : रखिजे -

(हेठि, रखणु, खणिजे)

8. ब्रेकेट मां मुनासिब जवाब गोलिहयो :

(मददगारु, कारोबारी, धंधोड़ी, चशिकेदार, खर्चाऊ)

(i) खर्चु कंदडु

(ii) मदद कंदडु

(iii) चशिको डींदडु

(iv) धंधो कंदडु

(v) कारोबारु कंदडु



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (अ)

2. (i) (स)

(ii) (स)



नवां लफ़्ज़

- कमाई = आमदनी
- औखे = डुखिए
- पीड़ा = तकलीफ़
- ग़मी = दुख जी हालत
- स्वाहा करणु = खपाए छड़णु
- क़दीमु = झूनो
- टारणु = पासीरो करणु
- छुड़वागु = बेलग़ाम
- घारणु = गुज़ारणु
- चशिकेदार = सवादी

मिठिड़ी मुर्क

हिन सबक में 'मुर्क' नाले नंढिड़ी नियाणीअ जी गाल्हि आहे। 'मुर्क' कीअं गरीब बारनि खे सेखारे थी। कीअं उन्हनि बारनि में किताब ऐं कापियूं विरहाए थी। हिन सबक मां असां दान डियण जो नओं तरीको समुझंदासीं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- पंहिंजे आसपास थींदड़ वाकअनि जे बारीकियुनि बाबत पंहिंजो रदअमल जाहिर कनि था।
- कहाणी पढ़ी तइलीम जी अहिमियत समुझी दोस्तनि सां गाल्ह बोल्ह कनि था।
- संवेदनशील मुदनि ते इजिहार कनि था।
- फइल जी माना समुझी मिसाल बुधाईनि था।



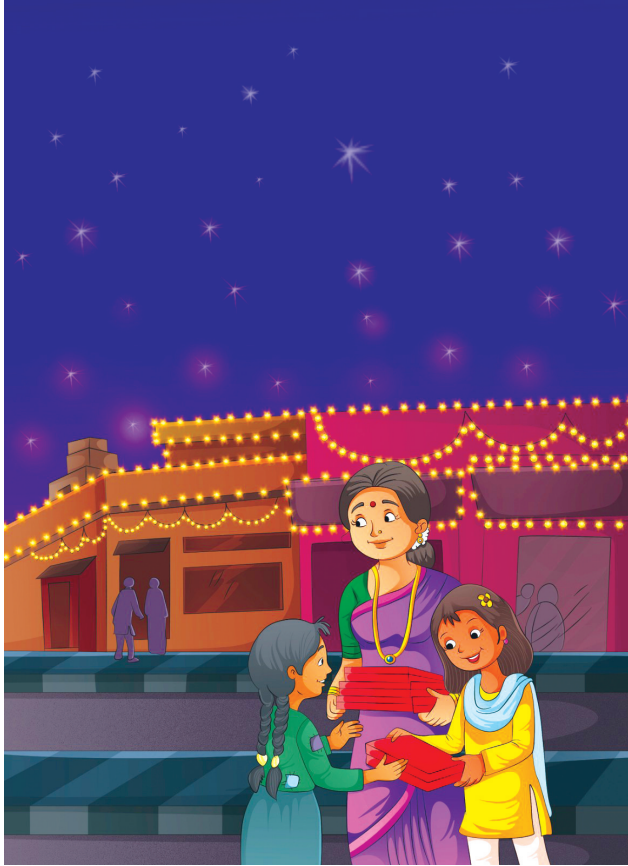
3.1 बुनियादी सबक

मुर्क जी ममी पापा बई नौकिरी कंदा हुआ। बई पढ़ियल लिखियल ऐं दयालू हुआ। सिर्फ मोकल वारे डींहं घर में रहंदा हुआ। मुर्क मोकल वारे डींहं पेई माउ खां सुवाल कंदी हुई। संदसि माउ जसोती बि खुशीअ विचां लाडली थीअ खे पेई जवाब डींदी हुई। खेसि लिखण पढ़ण जो डाढो शौकु हुआ, पेई महिनत कंदी हुई।

अजु जसोती डाढी खुश हुई।
डियारीअ जे मोकलुनि करे पंहिंजी
लाडली धीअ खे सूखिड़ियूं ऐं मिठायूं
खरीदे डियण लाइ मार्केट वठी वेई
हुई। घर घिटियूं, रोड रस्ता, दुकान
डियारीअ जी रोशनीअ सां जगमगाए
रहिया हुआ। खरीदारी करे जडहिं वापस
वरी रहिया हुआ त चौवाटे ते गाढी
बतीअ करे हुननि जी कार बीहिजी
वेई। उन वक्ति हिकिड़ी नढिड़ी
बालिकी फाटल मेरा कपड़ा पहिरियल, हथ जोड़े चवण खेनि लग्गी “कुझु खाइण लाइ डियो नी.... मां
खे बि डियो।”



मुर्क जे ममीअ कुझु मिठाईअ जा दबा वरिता हुआ, उन्हनि मां हिकु पैकेट उन्हीअ छोकिरीअ
खे डिनार्ई। गरीब बालिकीअ जे अखियुनि में चमक अची वेई। खुशीअ विचां ठेंग-टपा डींदी पंहिंजी
माउ वटि डोडी वेई।



मुर्क पंहिंजीअ माउ खे चयो, “ममी, हीअ केतिरी न
खुश थी आहे।” संदसि माउ चयो, “मिठिड़ी, अहिड़नि
डिणनि वारनि ते गरीबनि खे दान डियणु घुरिजे, खाई
करे आसीस कंदा।”

मुर्क जे कोमल मन में माउ जी नसीहत समाइजी
वेई।

स्कूल मां वापस वरंदे हिक डींहं मुर्क उन गरीब
छोकिरीअ खे रंगीन तस्वीरुनि वारो किताब वठी
डिनो ऐं खेसि चयो, “तूं अ, ब, स वारो किताबु
पढ़ंदीअं?”

उन बालिकीअ बि खुशीअ विचां किताबु वठंदे मुर्क
खे चयो, “दीदी, तूं मूंखे अ, ब, स सेखारींदीअं?”
मुर्क चयो, “हा, तोखे ज़रूर सेखारींदियसि।”

इएँ स्कूल खां वापस वरंदे मुर्क हर रोजु हिकु अखरु उन गरीब छोकरीअ खे सेखारणु शुरू कयो। हर रोजु हूअ बि शौक विचां इंतजार में वेठी हूंदी हुई। मुर्क खे ईदो डिस्सी, डोड़ पाए संदसि भरिसां ईदी हुई। उन छोकरीअ न सिर्फ पंहिंजो नालो, पर माता पिता जो नालो ऐं केतिरा बैत बि सिखी वरिता। रौंशे ते न सिर्फ हुन, पर झूपिड़ियुनि जे बियनि बारनि बि बैत सिखी वरिता ऐं गाए करे पिया बुधाईदा हुआ।



वक्तु गुजिरण लगो। डींहं ऐं महीना गुजिरण लगा। डियारीअ जो डिणु मोटी आयो। मुर्क जे ममी डियारीअ जे मोकलुनि में वरी पंहिंजी सबाझी मिठिड़ी धीअ खे मिठायूं ऐं सूखिड़ियूं वठी डियण लाइ बाजार वेई।

मुर्क पंहिंजी ममीअ खे चयो, “ममी, तव्हां जेसींताई मिठायूं वठो, मां साम्हूं दुकान तां सूखिड़ियूं वठी थी अचां।”

हूअ बारिड़नि जे सूखिड़ियुनि वारे दुकान ते वजी रंगीन तस्वीरुनि वारनि किताबनि जा पैकेट खरीद करे आई। रंग बिरंगी पननि में वेढियल सूखिड़ियुनि जा पैकेट डिस्सी हुन जी माउ पुछियो, “इहे कहिड़ियूं सूखिड़ियूं खरीद कयूं अथेई? डिंसां ता।”

मुर्क चयो, “ममी, मां तव्हां खे पोइ बुधाईदियसि।”

घर वापस वरंदे चौवाटे ते झूपिड़ियुनि भरिसां बीही मुर्क चयो, “ममी, मूं सां गडु हलो ना।”

जसोतीअ जेके मिठाईअ जा पैकेट वरिता हुआ, तिनि मां गरीब बारनि खे डियण लाइ हिकु पैकेट खंयो।

संदसि माउ चयो, “मिठिड़ी, अहिड़नि डिणनि वारनि ते गरीबनि खे दान करणु घुरिजे। खाई करे आसीस कंदा।”

मुर्क चयो, ‘ममी, मिठाई न खपे।’

हेडहूं बार बि खुशीअ विचां इंतजारु करे रहिया हुआ। उते पहुची हुन पंहिंजे थेल्हे मां रंग बिरंगी पननि में वेढियल रंगीन तस्वीरुनि वारनि किताबनि जूं सूखिड़ियूं गरीब बारिड़नि में विरहाइणु शुरू कयूं।

मुर्क चयो, “ममी! डियारीअ ते मां किताबनि जा पैकेट थी दान करियां। तव्हां ई चयो हो न, त विद्या जो दान सभ खां वडो दान थींदो आहे।”

जसोतीअ पंहिंजीअ मिठिड़ीअ मुर्क खे छिके करे छातीअ सां लातो। दीपकनि जी माला सां गडु रंग बिरंगी फटाकनि ऐं फुलझड़ियुनि तुर्त ई आकास सां गडु बारिड़नि जे चेहरे ते नूरु फहिलाए छड़ियो। अंधियारो मिटाए, इल्म जी रोशनीअ सां तन मन ब्रहकाए छड़ियो।

(वीना शृंगी)



3.2 अचो त समुझूं

चयो वेंदो आहे त ‘विद्या दान, उत्तम दान’। विद्या याने इल्म जी तमाम घणी अहमियत आहे। इल्म बिना इंसान इएं आहे, जीअं रोशनीअ बिना ड़ीओ। इल्म सबब इंसान बुरायुनि ऐं सुठायुनि में फर्कु समुझी सघे थो ऐं सही राह ते हले थो। इल्मु जेतिरो फहिलिजंदो, ओतिरो ई समाज में सुधारो ईंदो ऐं देश जी तरकी थींदी। असां जो फर्ज आहे त पाण बि पढूं ऐं बियनि खे बि पढायूं, पाण सिखूं ऐं बियनि खे सेखारियूं। इहा ई जज्बात हिन कहाणीअ में समायल आहिनि।

तव्हां ड़िठो त मुर्क जी माता मुर्क खे केतिरा ई गुण सेखारे थी। दान ड़ियण जा जुदा जुदा रूप आहिनि, पर सभ खां उत्तम दान आहे विद्या दान। मुर्क इहो गुण समुझी गरीब बारनि खे बैत ऐं लिखणु पढणु सेखारे थी।

भाषा जो इस्तेमाल

लिखणु, पढणु, गाल्हाइणु, पंधु करणु वगैरह इहे लफ़्ज़ को न को ‘कमु’ ड़ेखारीनि था। अहिड़नि लफ़्ज़नि खे व्याकरण में ‘फ़इलु’ चइबो आहे। इन्हनि लफ़्ज़नि मां हुअण, करण, सहण जी माना निकिरंदी आहे।

हेठि ड़िनल जुमिलनि में लीक ड़िनलु लफ़्ज़ ‘फ़इल’ आहिनि।

- | | |
|--------------------------------------|--------------|
| (i) असां पाणी <u>पीऊं</u> था। | (पीअणु) |
| (ii) राजेश क्रिकेट <u>रांदि</u> कई। | (रांदि करणु) |
| (iii) तव्हां दरवाजो <u>खोलियो</u> । | (खोलणु) |
| (iv) राजा चोर खे सज़ा <u>ड़िनी</u> । | (ड़ियणु) |



सबक बाबत सुवाल 3.1

1. सही जबाव चूडे लिखो :

(i) मुर्क खे शौकु हो :

(अ) लिखण पढ़ण जो (ब) घुमण जो (स) तरण जो

(ii) कहिड़े डिण जो जिकिरु थियलु आहे?

(अ) होली (ब) डियारी (स) क्रिसमस

(iii) मुर्क सूखिड़ियुनि वारे दुकान तां खरीद क्या :

(अ) रांदीका (ब) मिठायूं (स) रंगीन तस्वीरुनि वारा किताब



मशिगूलियूं 3.1

(1) वड़नि सां कड़हिं कंहिं बुढा आश्रम में वजो ऐं बुजुर्गनि सां मिलो।

(2) बिया कहिड़ा सुठा कम करे सघिजनि था, उन्हनि बाबत लिखो।



तव्हीं छा सिखिया

- विद्या दान उत्तम दान आहे।
- गरीबनि जी मदद करणु घुरिजे।
- दान डियण जा जुदा जुदा रूप आहिनि।
- डियारीअ जो डिणु कीअं मल्हाइबो आहे।



वधीक जाण

असांजो भारत महान् देश आहे। हिन गुलदस्ते में जुदा जुदा धर्मनि, जातियुनि, बोलियुनि जा गुल समायल आहिनि। असां सभु गडिजी केतिरा ई डिण मल्हाईदा आहियूं। डि्यारी हिंदुनि जो मुख्य डिणु आहे। इन खां सवाइ होली, मकर संक्राति, शिवरात्रि, गणेश चोथ, दसहिडो, दुर्गा पूजा, ओणम, पोंगल, रखिड़ी बंधन, ईद, लाल लोई, बुद्ध पूर्णिमा, महावीर जयंती, गुरू प्रभ, क्रिसमस, नवरात्रा, बिहू, गुरूनानक जयंती, वेसाखी, जन्माष्टमी, इहे डिण पिण मल्हाया वेंदा आहिनि।

अचो त सिंधी डिणनि ऐं रवायतुनि बाबत कुझु जाण हासिल करियूं :

चेटी चंडु	महालक्ष्मीअ जा सागिड़ा	जणिया
टीजिड़ी	अखण टीज	अन्न मटियो
तिरमूरी	थधिड़ी	लाल लोई
वडी ग्यारस		



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक सिट में डियो :

- मुर्क जी माउ जो नालो छा हो?
- मुर्क जी माउ धीअ खे मार्केट में छो वठी वेई?
- डिणनि वारनि ते छा करणु घुरिजे?
- वडो दानु कहिडो आहे?
- नंढिड़ी बालिकीअ मुर्क खां छा सिखी वरितो?
- मुर्क कहिडियूं सूखिडियूं गरीब बारनि में विरहायूं?

2. हेठि डिनल जुमिला कंहिं चया आहिनि? चौकुंडे में जवाब लिखो :

मिसालु : “अहिङनि डिणनि-वारनि ते गरीबनि खे दान डियणु घुरिजे।” मुर्क जे माउ

(i) “कुझु खाइण लाइ डियो नी।”

(ii) “दीदी, तूं मूंखे अ, ब, स सेखारींदीअं?”

(iii) “ममी, मिठाई न खपे।”

3. जोड़ा मिलायो :

(i) उथणु	(अ) टिपणु
(ii) लिखणु	(ब) विहणु
(iii) खाइणु	(स) चलणु
(iv) हलणु	(द) पढ़णु
(v) नचणु	(य) पीअणु

4. ब्रेकेट मां मुनासिब जवाब चूंडे लिखो :

(कपड़ा, कापी, कार, डीओ, मिठाई, सूखिड़ी, किताबु)

(i) खाइण लाइ-

(ii) पढ़ण लाइ -

(iii) लिखण लाइ-

(iv) डियण लाइ-

(v) पाइण लाइ-

(vi) मुसाफिरी करण लाइ-

5. हेठि ङिनल लफ़्ज़नि सां लाग़ापो रखंदङ लफ़्ज़ ब्रेक्रेट मां चूंडे लिखो :

मिसालु : वक्त (साल, मिठाई, सूखिड़ी)

जवाबु : साल

(i) किताब (मोबाईल, इल्मु, दरवाज़ो)

जवाबु :

(ii) मार्केट (मुसाफ़िरी, अबोज़ाई, ख़रीदारी)

जवाबु :

(iii) गाढ़ी बती (किताब, कापी, सिग्नल)

जवाबु :

(iv) सूखिड़ी (जनम ड़ीहं, दरी, आसमान)

जवाबु :

(v) रस्तो (कार, हवाई जहाज़, बेड़ी)

जवाबु :

6. सही जबाव चूंडे लिखो :

(i) मुर्क जा ममी पापा ब़ई नौकिरी कंदा हुआ। इहो जुमिलो आहे :

(अ) हाकारी (ब) नाकारी (स) सुवाली

(ii) रुग़ो साल में हिक्कु भेरो ई छो? इहो जुमिलो आहे :

(अ) हाकारी (ब) नाकारी (स) सुवाली

(iii) ग़रीब ब़ालिकीअ जे अखियुनि में अची वेई :

(अ) रोशनी (ब) चमक (स) ऊंदहि

(iv) मुर्क गरीब बारनि खे सेखारींदी हुई :

(अ) स्कूल में (ब) स्कूल खां अगु (स) स्कूल खां पोइ

(v) मुर्क गरीब बारनि खे डिना :

(अ) तस्वीरुनि वारा किताब (ब) मिठाईअ जा पैकेट (स) रुपया

7. हेठि 'सिफ़ति' ऐं 'इस्मु ज़ाति' जो हिकु जोड़ो डिनल आहे। मिसाल मूजिबु लफ़्ज़ लिखो:

मिसालु : तंदुरुस्तु - तंदुरुस्ती

(i) जवानु -

(ii) ख़राबु -

(iii) माइटु -

(iv) साहिबु -

8. हेठि डिनल जुमिलनि मां फ़इल गोलिहयो ऐं ब्रेकेट में उन फ़इल जो असुली रूपु लिखो :

जुमिलो

असुली रूपु

मिसालु : असां कार में विहूं था।

(विहणु)

(i) राम अंबु खाधो।

()

(ii) सुनीता ख़तु लिखे थी।

()

(iii) उहे बाज़ार वजनि था।

()

(iv) मुंहिंजो पिता सुभाणे मुंहिंजे लाइ सूखिड़ी आणींदो।

()

(v) शादीअ लाइ मूं नवां कपड़ा ख़रीद कया।

()

(vi) मुंहिंजी माता मंदिर मां अचे थी।

()

(vii) मां भजन बुधां थो।

()

(viii) मुंहिंजो दोस्तु नचे थो।

()

9. हेठि डिनल 'सिफ़ति' वारनि लफ़्ज़नि ते गोलु पायो :

- (i) सुठो, मां, ताजमहल
- (ii) हरेश, तूं, गाढ़ो
- (iii) तव्हां, छोक़िरो, ईमानदारु
- (iv) होशियारु, होशियारी, मां
- (v) ड़ह, उहे, वण
- (vi) हूअ, पंजों, सुनीता



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (i) (अ) (ii) (ब) (iii) (स)



नवां लफ़्ज़

- दयालू = दयावान
- आसीस = आशीर्वाद
- नसीहत = सिखिया
- तुरुतु = जल्दु
- लाडली = प्यारी
- मासूमियत = अब्रोज़ाई
- वाट = रस्तो
- इल्मु = तालीम

भरत जो प्यारु

सनातन संस्कृतीअ जा सभ खां मशहूर ग्रंथ रामायण ऐं महाभारत आहिनि। रामायण हिंदू धर्म जो महाकाव्य आहे, जंहीं में मर्यादा, सचु, प्रेम, दोस्ती, रिश्तनि, इजत, आज्ञा, कर्तव्य जो जिकिरु कयल आहे।

‘भरत जो प्यारु’ बि रामायण जो हिसो आहे, जंहीं में भरत जो पंहिंजे वडे भाउ राम सां वहिंवार जो चिटु चिटियो वियो आहे। अचो त सबकु पढी सिखिया हासिल करियूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबकु खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- भाषा जे बारीकियुनि खे ध्यान में रखी, पंहिंजी भाषा ठाहीनि था ऐं उन जो इस्तेमालु कनि था।
- ‘भरत जो प्यारु’ सबकु ऐं शख्सी आजमूदनि खे जोड़े, वीचारनि जो इजहारु कनि था।
- अलग्ग अलग्ग रचनाउनि में आयल नवनि लफ़्ज़नि खे हवाले में समुझी, उन्हनि जी माना खणनि था।
- पंहिंजी सोच सां कहाणीअ जो वर्णनु लिखंदे, भाषा जो सृजनात्मक इस्तेमालु कनि था।



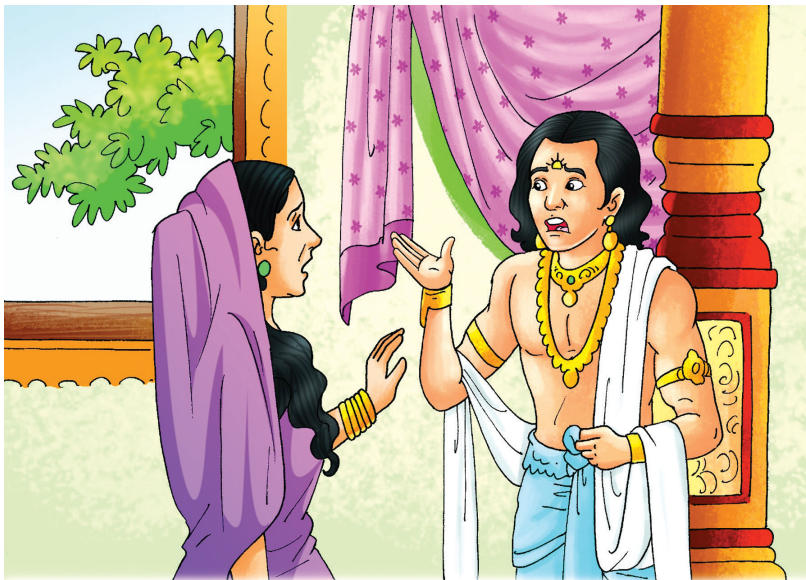
4.1 बुनियादी सबकु

राजा दशरथ राम खे अयोध्या जी गादीअ ते विहारण जी पधिराई कई, तडुहिं इहा गाल्हि भरत जी माउ केकईअ खां सठी कान वेई।

कहिं वक्ति राजा दशरथ पंहिंजी राणीअ केकईअ खे ब वचन डिना हुआ। हीउ मौको डिसी, राणी केकईअ राजा खे बई वचन निभाइण लाइ वेनिती कई। राजा खे डिनल बिन्हीं वचननि जी पोइवारी करिणी पेई। उन मूजिबु राम खे चोडहं साल बन में वजिणो पियो ऐं भरत खे अयोध्या जी गादीअ ते विहारण जी पधिराई थी। राम बन डाहं रही थियो।

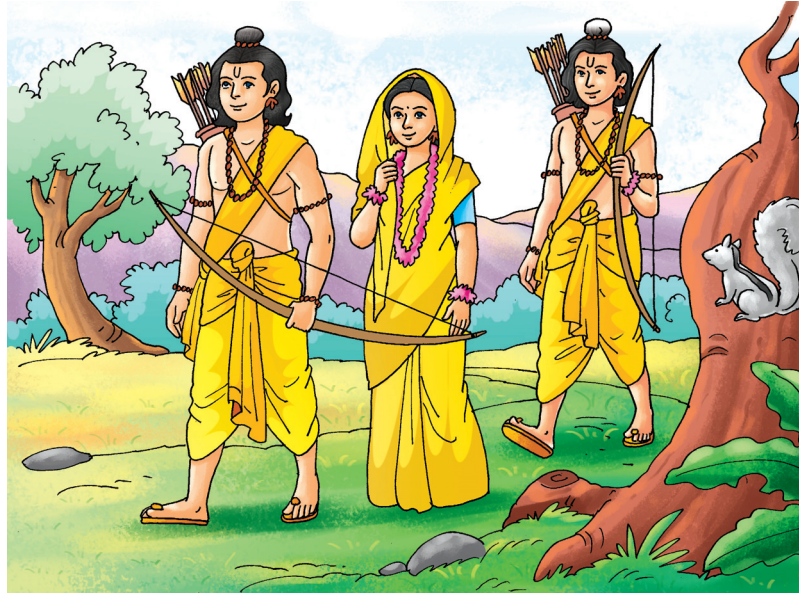


जहिं वक्ति इहा गाल्हि थी, तहिं वक्ति भरत पंहिंजे नानाणे वियलु हो। हुन खे नियापो मोकिले अयोध्या में घुरायो वियो। जडुहिं भरत पंहिंजी माउ केकईअ वटि वियो, तडुहिं माणसि खुशि थी चयुसि, “भरत, तुंहिंजो भागु खुलियो आहे। मूं राम खे चोडहं साल बनवासु डियारियो आहे ऐं तो लाइ अयोध्या जी गादी घुरी आहे।”



माउ जी इहा गाल्हि बुधी भरत खे क्रोध वठी वियो। माउ खे चयाई, “माता, ही तो कहिडो अन्याअ जो कमु कयो आहे? राम त तोखे मूं खां बि वधीक प्यारु कंदो हो, पोइ छा लाइ तो दिलि में दुई रखी हुन खे बनवास डियारियो। बई हिक पीउ जा पुट, पोइ ही संधो छो रखियुइ? हूंअं बि राम सभिनी भाउरनि में वडो आहे, इनकरे उन खे ई गादीअ ते विहण जो हकु

आहे। तो हुन सां अहिडो अन्याउ छो कयो? मां गादीअ ते हरगिज न विहंदुसि। गादीअ ते हकु त मुंहिजे भाउ राम जो आहे। मां बन में वजी, राम खे गोल्हे ईदुसि ऐं उतां खेसि वठी अची अयोध्या जी गादीअ ते विहारींदुसि।”



इए चई, घरु छडे, हू राम जी गोल्हा में हलियो वियो ऐं आखिरि खेसि गोल्हे लधाई। राम खे डिसी, हू वजी संदसि पेरनि ते किरियो ऐं भाकुरु पाए, अखियुनि में पाणी आणे चयाईसि, “भाउ! अक्हां ही छा कयो? अक्हां महलनि जा रहिवासी, हिते कीअं था झंगल में गुजरु कयो? ही मूं खां बिलकुल सठो कोन थो वजे। कुर्ब करे मोटी अयोध्या हलो ऐं पंहिंजी गादी संभालियो। उन ते अक्हां खां सवाइ कंहिंजो बि हकु न आहे।”

राम खेसि परिचाईदे चयो, “तूं सियाणो थीउ। मूंखे अयोध्या मोटी हलण लाइ जोरु न भरि। मां हिते पीउ जे डिनल वचन जो पालन करण आयो आहियां। रघूकुल जी इहा रीति आहे त डिनल वचन जी पालना कजे। तूं हाणे मोटी वजु ऐं मुंहिंजे वचन मूजिबु वजी अयोध्या जी गादी संभालि।”



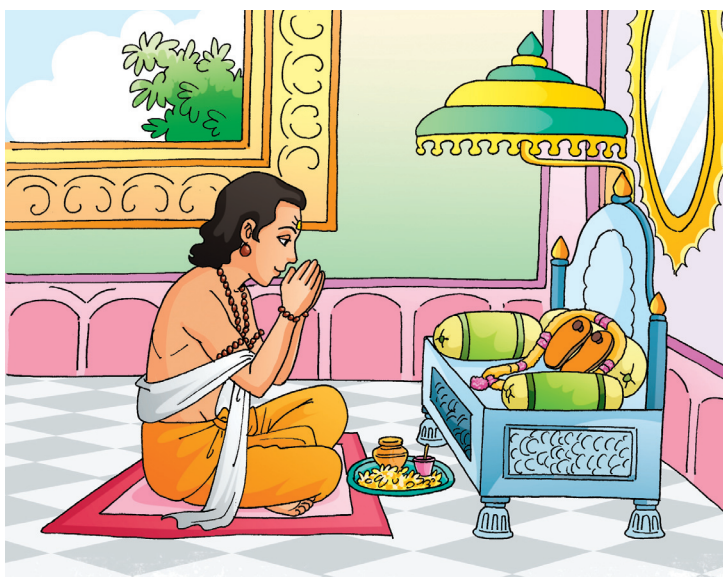
भरत भाउ जो अटल इरादो डिसी रोअण लगो। वरी बि मोटी हलण लाइ खेसि आजी नीजारी कयाई, पर राम हलण खां बिलकुल इंकार कयुसि।

भरत, राम खे चयो, “जेकडहिं अक्हां मोटी हलण खां इंकार था करियो त मूं खे पंहिंजूं चाखिड़ियूं डियो त मां

इहे गादीअ ते रखी, अक्हां जो एविजी बणिजी, अयोध्या जो राजु कारोबारु हलायां।” राम खेसि पंहिंजूं चाखिड़ियूं डिनियूं ऐं भरत उहे खणी अयोध्या वापस आयो।

बन मां मोटण खां पोइ हू महल में कोन रहियो। चवण लगो, “मुंहिंजो मिठिड़ो ऐं नाजुक बदन भाउ बन में रही डुख डिसे ऐं सख्तिरयूं सहे ऐं मां महल में वेही ऐश आराम जो जीवन गुजरियां, इऐं हरगिज न थींदो।” हुन पोइ अयोध्या जी नगरीअ खां दूर कखाई झूपिड़ी ठाही ऐं उन में राम जो एविजी थी अयोध्या जो राज कारोबारु संभालण लगो।

अहिड़ो हो पवित्र प्रेम ऐं सिदिक जो पुतलो भरत। तडहिं त चवंदा आहिनि- भाउ हुजे त भरत जहिड़ो।



4.2 अचो त समुझूं

भारत जी संस्कृतीअ में रामायण ग्रंथ तमाम ऊचो दर्जो वालारे थो। रामायण हिक कहाणी न पर सिख्याउनि जो भंडार आहे। भगवान राम पंहिंजे पिता जा वचन पालण लाइ संसार जा सभु सुख साध न छडे, 14 वरह्य बनवास वियो। माता सीता पंहिंजो पत्नी धर्म निभाइण लाइ पंहिंजे पतीअ सां गडु वेई। लछमणु पंहिंजो भ्राता धर्म निभाइण लाइ पंहिंजे भाउ राम सां बांहं बेली थियो। रामायण जो हिकु हिकु किरदार, हिक हिक घटना सिख्यादायक आहे। भगवान राम खे मर्यादा पुरुषोत्तम चयो वियो आहे।

रामायण में भरत जे प्रसंग खे महान मजियो वियो आहे। भरत पंहिंजे वडे भाउ जे हक ऐं आज्ञा पालन लाइ श्रीराम जे चाखिड़ियुनि खे राज गद्दीअ ते स्थापित करे 14 वरह्य राम वांगुरु सन्यासियुनि जो वेस धारे, राम जो सेवक बणिजी राजु हलायो।

हिंदुस्तान जे तहजीब में वडुनि जी इजत, आदर भाउ, कर्तव्य पालन, वचन निभाइण, आज्ञा पालन, न्याउ, अन्याउ, कुर्बानी, हकनि ऐं फर्जनि जी सिखिया सां भरपूर केतिरियूं ई कहाणियूं ऐं किसान मशहूर आहिनि। ‘भरत जो प्यारु’ सबक में बि मथियुनि सभिनी खूबियुनि जी वाखाणि कई वेई आहे, जेके पढी असीं पंहिंजे जीवन में हंडायूं।



सबक बाबत सुवाल 4.1

1. खाल भरियो :

- (i) पोइ छा लाइ तो दिल में रखी, हिन खे बनवास डियारियो।
- (ii) भरत भाउ जो इरादो डिसी रोअण लगो।
- (iii) राजा दशरथ राम खे जे गादीअ ते विहारण जी पधिराई कई।
- (vi) माउ जी गाल्हि बुधी भरत खे वठी वियो।
- (v) राम खेसि पंहिंजूं डिनियूं।

2. सही (✓) ऐं ग़लत (×) जा निशान लगायो :

- (i) भरत खे भाउ राम लाइ प्यार हो। ()
- (ii) वचन मूजिबु राम खे ड़ह साल बनवास वजिणो पियो। ()
- (iii) राम सभिनी भाउरनि में नढो हो। ()
- (iv) भरत भाउ जो अटल इरादो डिसी खिलण लगो। ()
- (v) अहिड़ो हो पवित्र प्रेम ऐं सिदिक जो पुतलो दशरथ। ()



मशिगूलियूं 4.1

- (1) इंटरनेट / यू. ट्यूब ते रामायण डिसो ऐं वधीक ज़ाण हासिल करियो।
- (2) रामायण जो को बि हिकु प्रसंग लिखो।

भाषा जो इस्तेमाल

ज़मान (Tenses)

ज़मान जा टे किस्म आहिनि-

(i) ज़मान हाल (वर्तमान काल) (Present Tense) :

उहो ज़मान, जेको हलंदड़ वक्त जी ज़ाण डिए, उन खे ज़मान हाल चइजे थो।

मिसालु : रामु क्रिकेट रांदि करे थो।

(ii) ज़मान माज़ी (भूत काल) (Past Tense) :

उहो ज़मान, जेको गुज़िरियल वक्त जी ज़ाण डिए, उन खे ज़मान माज़ी चइजे थो।

मिसालु : राम क्रिकेट रांदि कई।

(iii) ज़मान मुस्तक़बल (भविष्य काल) (Future Tense) :

उहो ज़मान, जेको ईदड़ वक्त जी ज़ाण डिए, उन खे ज़मान मुस्तक़बल चइजे थो।

मिसालु : रामु क्रिकेट रांदि कंदो।

हाणे ज़मान जे हिसाब सां हेठियां जुमला पूरा करियो :

ज़मान हाल	ज़मान माज़ी	ज़मान मुस्तक़बल
(i) भरत ईमानदार आहे		
(ii)	राम आज्ञाकारी हो	
(iii)		केकईअ खे बियाई थींदी
(iv)	असां अंबु खाधो	
(v) बार रांदि कनि था		



तर्हीं छा सिखिया

- वडनि जी इजत ऐं आदर भाउ करणु घुरिजे।
- वडनि जो आज्ञा पालन करणु घुरिजे।
- भाउरनि जो प्यारु क़ाइमु हुअणु घुरिजे।
- हक़, फ़र्ज ऐं कुर्बानीअ जो मिसाल बणिजिजे।



वधीक ज़ाण

असांजी संस्कृती महान आहे। रामायण खां सवाइ महाभारत ऐं गीता में अनेक सिखियाऊं डिनल आहिनि। उहे प्रसंग डिसी-बुधी सिखिया हासिल करियूं।



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

- हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :
 - भरत जे भाउ जो नालो छा हो?
 - राम खे घणा साल बन वजिणो पियो?
 - भरत राम खे बन में ग़ोल्हण बइदि छा कयो?
 - रघुकुल जी कहिड़ी रीति आहे?
 - भरत बन मां मोटण बइदि किथे रहियो?
- हेठि डिनल जुमिला कंहिं, कंहिं खे चया आहिनि?
 - “तुंहिंजो भागु खुलियो आहे।”
 - “भाउ! अक्हां ही छा कयो?”

(iii) “मां हिते पीउ जे डिनल वचन जो पालन करण आयो आहियां।”

(iv) “मूखे पंहिजूं चाखिड़ियूं डियो।”

(v) “मां महल में वेही ऐश आराम जी जिंदगी गुज़ारियां, इएं हरगिज़ न थींदो।”

3. हेठि डिनल लफ़्ज़नि जो इस्तेमाल करे जुमिला ठाहे लिखो :

(i) पोइवारी

(ii) बन

(iii) क्रोध

(iv) हकु

(v) अटल



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (iii) दुई

(ii) अटल

(iii) अयोध्या

(vi) क्रोध

(v) चाखिड़ियूं

2. (i) ✓

(ii) ✕

(iii) ✕

(iv) ✕

(v) ✕



नवां लफ़्ज़

- पधिराई = ऐलानु
- बन = झंगल
- अन्याउ = नाइंसाफी
- रघुकुल = रघूअ जो ख़ानदान
- इरादो = वीचारु
- इंकार = जवाब
- चाखिड़ियूं = पेरनि में पाइण लाइ लकड़ीअ जी जुती
- कखाई झूपिड़ी = कखनि पननि जी ठहियल झूपिड़ी
- सिदिकु = प्रेम
- दुई = बियाई

- सठणु = सहणु
- बनवास = झंगल में रहणु
- परिचाइणु = रीझाइणु
- अटल = पको / पुख़्तो
- आजी नीजारी = मिंथ
- हरगिज़ = बिलकुल / कतई
- संधो = वेछो
- पोइवारी = पालन
- कूर्बु = सिक

5

निमाणी नूरी

अजु असां सिंधी भाषा जी हिक मशहूर लोक कहाणी 'निमाणी नूरी' पढ़दासीं। कीअं हिकु राजा हिक गरीब मुहाणीअ मथां मोहित थिए थो ऐं शादी करे थो। उहा गरीब मुहाणी आहे नूरी ऐं राजा आहे ज़ाम तमाची। अचो त आखाणीअ जो लुत्फु माणियूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोड़ शागिर्द-

- सबकु पढ़ी, सादगीअ जी अहमियत बाबत दोस्तनि सां ग़ाल्हि बोल्लि कनि था।
- लोक अदब बाबत सुवाल कनि था।
- बीहक जे निशानियुनि जो सही इस्तेमाल कनि था।
- अण पढ़ियल लफ़्ज़नि जी माना शब्दकोश मां ग़ोल्ले, पंहिंजनि लेखनि में कमु आणीनि था।



5.1 बुनियादी सबकु

जिनि ड़ींहिं में हिंदुस्तान ते फ़रोज़शाह तुग़लक राजु कंदो हो, तिनि ड़ींहिं में सिंधु में समे घराणे जो ज़ाम तमाची राजु कंदो हो।

ज़ाम तमाचीअ जे राजु में, कींझर ढंढ ते के मुहाणा बेड़ियुनि में रहंदा हुआ। वटिनि नूरीअ नाले हिकिड़ी नींगरी हुई, जा शिकिल शबीह तोड़े हलति चलति में मुहाणी त ज़णु लगंदी ई कान हुई। हूअ सूंहं में चंड जहिड़ी हुई।

जाम तमाचीअ खे शेल शिकार जो डाढो शौकु हो। हिक डींहुं कींझर ढंढ ते बेडीअ में चढी, शेल थे कयाई त ओचितो संदसि नज़र वजी नूरीअ ते पेई। ज़ात पात जो भेद विसारे, मुहाणनि खे पंहिंजे लाइ नूरीअ जी शादीअ लाइ रिथ डिनाई। मुहाणनि डिठो त असां जो भागु थो खुले, सो वडी खुशीअ सां ज़ाम जी आछ कबूल कयाऊं।



जाम तमाचीअ खे अगे ई केतिरियूं राणियूं हुयूं। उहे हिन मुहाणीअ खे राणी बणिजंदो डिंसी हसद विचां सडी वेयूं। हिक डींहुं वझु वठी, ज़ाम खे चुगली हयाऊं त हर रोज़ नूरीअ जो भाउ महिलात में ईंदो आहे ऐं नूरी उन खे हीरा जवाहरात डेई रवानो कंदी आहे। इहो बुधी ज़ाम, नूरीअ जे भाउ खे हिक डींहुं महल मां निकिरण वक्त रोकियो ऐं संदसि बर्तण खोले डिठाई। बर्तणनि में बियो त कुझु कीन निकितो, बाकी उन्हनि में मानीअ जो ग़भो पियो हो।

जाम तमाचीअ खे पुछा करण बइदि ख़बर पेई त नूरी शाही ताम कोन खाईदी आहे, पर भाउ द्वारां पेके घर मां आयलु सादो खाधो खाईदी आहे; मतां मथिसि राजाई शान जो घमंडु न चढी वजे। नूरीअ जी सचाईअ, सादगीअ ऐं निहठाईअ जो ज़ाम ते गहिरो असरु थियो।

हिक डींहुं ज़ाम तमाचीअ हवेलीअ में सभिनी राणियुनि खे चवाए मोकिलियो, “अजु शाम जो हरिका राणी ठही जुडी वेठी हुजे, मां जंहिं बि राणीअ खे पसंद कंदुसि, उन खे गाडीअ में पाण सां गडु घुमाइण वठी वेंदुसि।”

शाम जो ज़ाम महल में आयो। बियूं सभेई राणियूं सहसैं हार सींगार करे, पंहिंजनि नाज़नि नखिरनि सां ज़ाम खे रीझाइण लगियूं। पर नूरी वेचारी अबाणो सादो सूदो वगो पहिरे, कंधु निवाए वेठी हुई। ज़ाम नूरीअ जी निमाणाई ऐं निविड़त पसी वटिसि आयो ऐं हथ खां वठी खेसि गाडीअ में विहारे घुमाइण वठी वियो।

रात जो जइहिं ज़ाम तमाची महल में आयो, तइहिं सभिनी राणियुनि अगियां नूरीअ खे पटराणी बणायाई। अहिडीअ तरह नूरीअ जी निमाणाईअ खेसि राजध्याणीअ जो आला दर्जो अता करायो।



5.2 अचो त समुझूं

लोक कहाणियूं असांजे अदब जो हिकु अहम हिस्सो आहिनि। लोक कहाणियुनि मां असां खे इतिहास जी झलक मिले थी। गुजिरियल ज़माने में कहिड़ियूं हालतूं हुयूं, कहिड़ा वापार हुआ, उन जी ज़ाण पिण मिले थी। कहाणीअ ज़रीए आम लोकनि में को बि संदेश, सिखिया वगैरह सवलाईअ सां पहुचाए सघिजे थो। लोक कहाणियुनि जो असर अजु ताई दाइम क़ाइम आहे। अहिड़े नमूने लोक कहाणी 'निमाणी नूरी' उपदेश डींदड़ कहाणी आहे।

हिन कहाणीअ में तव्हां डिठो त कीअं हिक मुहाणी नूरी जडहिं राज़ घराणे जी राणी बणिजे थी, हुन में ज़रा बि घमंडु नथो अचे। हूअ शाही ताम न खाई, पेके घर मां आयल ग़रीबाणी रोटी खाए थी। संदसि सादगी, सचाईअ जहिड़नि गुणनि करे राजा ज़ाम तमाची खेसि पटराणी बणाए थो।



सबक़ बाबत सुवाल 5.1

हेठियनि मां सही लफ़ज़ चूँडियो :

1. ज़ाम तमाचीअ जो घराणो हो :
 (अ) कल्हड़ो (ब) सूमरो (स) समो
2. ढंढ जो नालो हो :
 (अ) डल (ब) विहार (स) कींझर
3. ज़ाम तमाचीअ खे शौकु हो :
 (अ) शिकार जो (ब) तरण जो (स) पहाड़ चढ़ण जो



मशिगूलियूं 5.1

- (1) इंटरनेट ते en.m.wikipedia.org.Noori-Jam Tamachi लिंक ते वजी नूरीअ बाबत ज़ाण हासिल करियो।
- (2) मुहाणे जी रोज़ानी जिंदगी कहिड़ी हूंदी आहे, उन बाबत 5 जुमिला लिखो।

भाषा जो इस्तेमाल

जुमिले जा किस्म :

(1) हाकारी (2) नाकारी (3) सुवाली (4) अजबी

(1) हाकारी- जंहिं जुमिले मां 'हा' जो मतलब निकिरे, उन जुमिले खे 'हाकारी जुमिलो' चइबो आहे।

मिसाल :

- राम अंबु खाधो।
- असां घुमण वजूं था।
- तव्हां अखबार पढ़ंदा।
- मुंहिंजो डाडो बाग में बूटनि जी संभाल कंदो आहे।

(2) नाकारी- जंहिं जुमिले मां 'न' जो मतलब निकिरे, उन जुमिले खे 'नाकारी जुमिलो' चइबो आहे।

मिसाल :

- असां स्टेशन ते देर सां न पहुतासीं।
- राजेश काल्ह आफ़ीस न वियो।
- उहे कडहिं बि कावड़ि न कंदा आहिनि।
- तो आखाणी न बुधी आहे।

(3) सुवाली- जंहिं जुमिले मां 'सुवाल' जो मतलब निकिरे, उन खे 'सुवाली जुमिलो' चइबो आहे।

मिसाल :

- छा काल्ह तव्हां रांदि कई?
- तव्हां जो जनमु किथे थियो?
- कहिड़े वक्त तव्हां दुकान ते वेंदा?
- तव्हां बरसात में कीअं मोटिया?

(4) अजबी- जंहिं जुमिले मां अजब जो मतलब निकिरे, उन खे 'अजबी जुमिलो' चइबो आहे।

मिसाल :

- वाह! तूं त वक्त ते पहुतें।
- अडे! राम बालु विजाए छडियो।
- ओह! असां जी गाडी गुसी वेई।



तव्हीं छा सिखिया

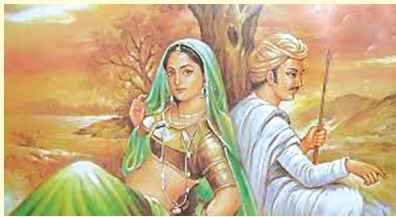
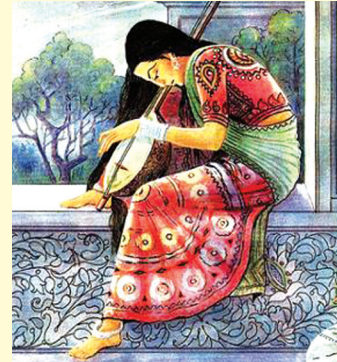
- घमंडु न करणु घुरिजे।
- हमेशह सच जी राह ते हलणु घुरिजे।
- निविडत सां वहिंवारु करणु घुरिजे।
- लोक अदब जी पंहिंजी अहमियत आहे।



वधीक जाण

नूरी ऐं ज़ाम तमाची मशहूरु सिंधी आखाणी आहे। आखाणीअ में सचो प्रेम डेखारियो वियो आहे। शाह साहिब सतनि सूरमियुनि जो बयानु कयो आहे। 'शाह जो रसालो' किताब में उन्हनि सतनि सूरमियुनि बाबत असां पढी सघूं था। उहे सत सूरमियूं आहिनि :

- | | | | |
|------------|----------|----------|----------|
| (1) मारुई | (2) मूमल | (3) ससुई | (4) नूरी |
| (5) सुहिणी | (6) लीला | (7) सोरठ | |





सबक जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक सिट में डियो :

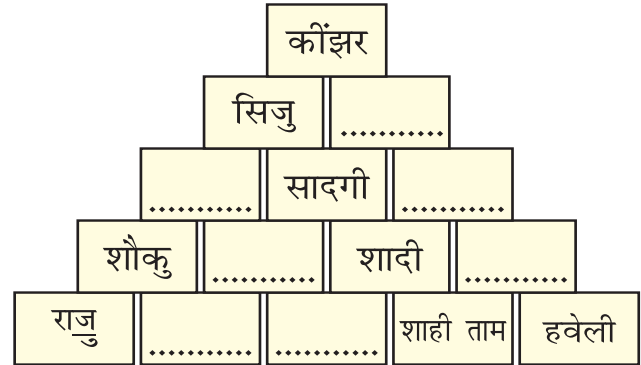
- (i) नूरीअ खे डिसण बइदि ज़ाम तमाचीअ छा कयो?
- (ii) राणियूं राजा खे कीअं रीझाइन लगियूं?
- (iii) ज़ाम तमाचीअ नूरीअ में कहिड़ा गुण डिठा?
- (iv) नूरी कहिड़ो खाधो खाईदी हुई?

2. हेठि डिनल लफ़ज़ इस्तेमाल करे जुमिला ठाहियो :

- (i) घराणो
- (ii) ब्रेडी
- (iii) सचाई
- (iv) असरु
- (v) नज़र
- (iv) खुशी

3. हेठि डिनल खाको पूरो करियो :

- (i) हिक ढंढ
- (ii) ब आसमानी जिस्म
- (iii) नूरीअ जा टे गुण
- (iv) चार 'श' सां शुरू थींदड़ लफ़ज़
- (v) पंज 'राजा' सां लागापो रखंदड़ लफ़ज़



4. ब्रेकेट मां सही जवाब चूंडे ख़ाल भरियो :

(शिकार, बर्तण, वग़ो, खाधो, क़बूल)

- (i) शादीअ लाइ मां नओं सुबायो।
- (ii) असां खे खाइन खां अगु हथ धोअणु घुरिजनि।
- (iii) राजा खे जो शौकु हो।

(iv) मूं में पाणी भरियो।

(v) चोर पंहिंजो डोहु कयो।

5. मिसाल मूजिबु ब्रेकेट मां सही सुवाली लफ़्जु चूँडे ख़ाल भरियो :

मिसालु: हरेश दिल्लीअ में रहंदो आहे।

हरेश किथे रहंदो आहे? (किथे, कहिड़ो)

(i) महाराष्ट्रा जी गादी मुम्बई आहे।

महाराष्ट्रा जी गादी आहे? (कहिड़ी, छो)

(ii) असां काल्ह शादीअ ते वियासीं।

तव्हां शादीअ ते विया? (छो, कडहिं)

(iii) मुंहिंजे भाउ ब्रेड़ीअ रस्ते मुसाफ़िरी कई।

तव्हां जे भाउ मुसाफ़िरी कई? (किथे, कीअं)

(iv) मुंहिंजो नालो हरदास आहे।

तव्हां जो नालो आहे? (छा, कीअं)

(v) भारत जो कौमी पखी मोरु आहे।

भारत जो कौमी पखी आहे? (छो, कहिड़ो)

6. हेठि ड़िनल सिट पढ़ो ऐं सुवालनि जा जवाब हिक लफ़्जु में लिखो :

‘पर नूरी वेचारी अबानो सादो सूदो वग़ो पहिरे, कंधु निवाए वेठी हुई’

(i) सरीर जो अंगु -

(ii) हिकु नालो -

(iii) पेको -

(iv) वग़े जो किस्मु -

7. लीक डिनल लफ़्ज़ जो अददु जमउ कम आणे, वरी जुमिलो लिखो :

मिसाल : छोक़िरो क्रिकेट राँदि करे थो।

छोक़िरा क्रिकेट राँदि कनि था।

- (i) मुहाणो बेडी हलाए थो।
- (ii) मुंहिंजो घरु नदीअ भरिसां आहे।
- (iii) वण ते झिर्की वेठी हुई।
- (iv) चोर हीरो चोरायो।
- (v) माण्हू गाडी हलाइनि था।



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (स)

2. (स)

3. (अ)

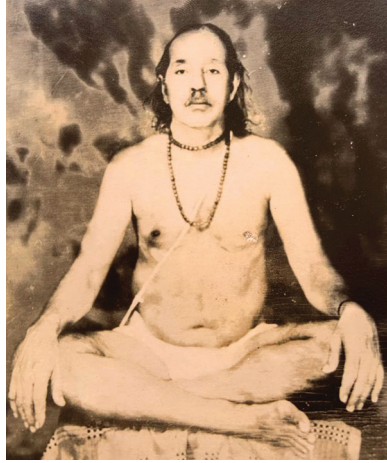


नवां लफ़्ज़

- घराणो = खानदान
- नींगर = छोक़िरी
- हसदु = साडु
- हीरा जवाहरात = माणिक मोती
- रीझाइणु = राजी करणु
- पटराणी = मुख्य राणी
- मुहाणा = मछी पकड़ींदड़
- शेल शिकार = हवा ख़ोरी
- गुभो = टुकरु
- निहठाई = निमाणाई
- अबाणो = पेको
- अता करणु = डियारणु

6

स्वामी सुखदेव साहिब



(श्री महंत, दरबार साहिब हालाणी)

भारत देश ऋषियुनि मुनियुनि जो देश आहे। हिन पवित्र धरतीअ ते आदि जुगादि खां केतिरनि ई महापुरुषनि जनमु वठी, मानव जातीअ जी शेवा कई आहे। संत कंवरराम, साधू टी. एल. वासवाणी, स्वामी टेऊराम, स्वामी लीलाशाह वगैरह अहिड़ा संत महापुरुष थी गुज़िरिया आहिनि, जेके असां खे प्रेरणा डींदड़ आहिनि। हिन सबक में असां अहिड़े ई महान् संत पुरुष स्वामी सुखदेव साहिब बाबत पढ़ण वारा आहियूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढ़ण खां पोड़ शागिर्द-

- ब्रियनि संतनि महापुरुषनि जी जीवनी बुधी सुवाल पुछनि था।
- बुधल ऐं पढ़ियल रचनाउनि ते पंहिंजो रायो डेई सघनि था।

- नवनि लफ़्ज़नि जी माना लुग़ति मां ग़ोल्हीनि था ऐं उन्हनि खे पंहिंजी बोलीअ में कमु आणीनि था।
- पंहिंजी लिखिणीअ में बीहक जूं निशानियूं इस्तेमालु कनि था।



6.1 बुनियादी सबक़

दरबार साहिब हालाणी जो पायो 1787 ई. में स्वामी सुखदेव साहिब विधो। स्वामी सुखदेव साहिब सादगीअ वारा संत हुआ। मीरनि जो उन्हनि में बेहद विश्वास हो। स्वामी सुखदेव साहिब हिक घाटे झंगल में परमात्मा जी भगितीअ में लीन रहंदा हुआ। मीरनि जे सिदिक् खे डिसी, स्वामी सुखदेव साहिब उन्हनि सां गड्डु थरपारकर ज़िले जे हिक गोठिड़े में पहुता। उन गोठ जे बाहिरां स्वामी जनि लाइ हिकु आस्थान ठहिरायो वियो। संदनि दीदार हासिल करण लाइ मीर साहिबु बि भरिसां हिकु क़िलो ठहिराए रहण लगो।

टे ज़ुणा घरु बार विसारे स्वामी जनि जी शेवा में उते रहण लगा। स्वामी जनि रटन बि कंदा हुआ। स्वामी जनि हैदराबाद (सिंध), सेव्हण ऐं कंडियारे मां थींदा अची हालाणी पहुता। हालाणीअ भरिसां घाटो बनू डिसी उते बाकी हयाती काटण जो इरादो कयाऊं। कची झूपिड़ी ठाहे, उन में रहण लगा। स्वामी जनि जो प्रताप वियो डींहीं डींहुं वधंदो। संगति वधंदी वेई। रोज़ानो नेम सां सत्संग हलण लगो। झंगल में मंगल थी वियो। कुझु वक्त खां पोइ संगति स्वामी जनि खे वेनिती कई त कचियूं झूपिड़ियूं डहिराए, को पको स्थान ठहिराइजे। स्वामी जनि संदनि प्रेम ऐं चाहु डिसी वेनिती कबूल कई। कचियूं झूपिड़ियूं डहिराए, पको स्थान तयार करायाऊं। इन रीति टालपुरनि जे डींहनि में ई बाबा सुखदेव साहिब श्री हालाणी दरबार जो पको पायो विधो हो। अजु बि सिंधु में ऐं हिंदुस्तान जे अजमेर में दरबार साहिब हालाणी आहे, जेका सिंधु हिंदु में हाकारी दरबार मजी वेंदी आहे।

हिन वक्ति दरबार साहिब हालाणी जा गादेसर महंत बाबा साधूराम साहिब जनि आहिनि, जेके उन्हीअ राह ते हली रहिया आहिनि; जिनि जो मूल मंत्र आहे सेवा ऐं सिमरन। अजु बि दरबार साहिब में ग़रीबनि जी शेवा जा कार्य थींदा रहनि था। अखियुनि ऐं केतिरियुनि बियुनि बीमारियुनि जूं कैम्पूं लग्दियूं आहिनि, जिनि में मानव शेवा थींदी आहे।

हिन सबक़ मार्फ़त शागिर्दनि खे सिंधी संतनि महापुरुषनि जे जीवन जी ज़ाण मिले थी। इहो बि संदेश थो मिले त संत महात्माऊं, जिनि जो मक़सद ई मानव शेवा रहियो आहे, इन सां बारनि में बि शेवा भावना जागृत थी सघंदी।



6.2 अचो त समुझूं

समाज में कड़हिं कड़हिं महान शख्स जनमु वठनि था, जेके पंहिंजी सादगी, तपस्या ऐं शख्सियत सां माणहुनि खे मोहे छडीनि था। हरिको माण्हू पंहिंजियुनि तकलीफुनि, मुसीबतुनि में फाथलु आहे। माण्हू जड़हिं इन्हनि महान शख्सनि, संतनि, दरवेशनि जी सुहिबत, संगति में अचनि था त खेनि आथतु मिले थो। खेनि मुसीबतुनि मां बाहिरि अचण लाइ हिमथ मिले थी। अहिड़ा ई मजियल संत हुआ स्वामी सुखदेव साहिब। उन्हनि दरबार साहिब हालाणीअ जो पायो विधो। माणहुनि खे सेवा ऐं सिमरन जो संदेश डिनो।



सबक़ बाबत सुवाल 6.1

सही जवाब चूंडे ब्रेकेट में लिखो :

1. हालाणी दरबार साहिब जो पायो विधो वियो हो :

(अ) 1786 ई. में (ब) 1787 ई. में

(स) 1788 ई. में (द) 1789 ई. में ()

2. हालाणी दरबार साहिब आहे हिंदुस्तान जे :

(अ) अजमेर में (ब) जलगांव में

(स) नागपुर में (द) अहमदाबाद में ()



मशिगूलियूं 6.1

(1) तक्हां जिनि बि सिंधी संतनि जा नाला बुधा हुजनि, उन्हनि जा नाला लिखो।

(2) सिंधी संतनि जूं तस्वीरूं गडु करे स्क्रेप बुक ठाहियो।



तर्हीं छा सिखिया

- सादगीअ वारो जीवन अपनाइणु
- समाज शेवा
- वहिंवार में शफ़ी नज़रियो
- धार्मिक आस्था



वधीक ज़ाण

- हालाणी दरबार खां सवाई भारत जूं बियूं दरबारूं :
- शदाणी दरबार, रायपुर
- गोदिडी वाला धाम, जलगांव
- चांडूराम दरबार, लखनऊ
- प्रेम प्रकाश मंडल, अमरापुर, जयपुर
- मजनू का टीला, दिल्ली



6.4 सबक़ जे आख़िर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक लफ़्ज़ में ड़ियो :

- हालाणी दरबार साहिब जो पायो विझंदइ
- हिन वक्त हालाणी दरबार साहिब जा गादेसर
- भारत में हालाणी दरबार

2. अददनि जा जोड़ा मिलायो :

- | | |
|--------------|----------------|
| (i) हिकु | (अ) किला |
| (ii) किलो | (ब) शेवाऊं |
| (iii) शेवा | (स) झूपिड़ियूं |
| (iv) झूपिड़ी | (द) घणा |

3. अण ठहिकंदड़ लफ़ज़ मथां गोलो पायो :

- (i) संत, स्वामी, इंसान, महापुरुष
- (ii) गोठ, नगर, शहर, दफ़्तर
- (iii) झूपिड़ी, घर, महल, स्टेशन
- (iv) वेनिती, इंकारु, निवेदन, अर्जु

4. हेठियां लफ़ज़ जुमिले में कमि आणियो :

- (i) भगिती
- (ii) रीति
- (iii) संगति
- (iv) झंगल

5. ब्रेकेट मां लागापो रखंदड़ लफ़ज़ गोल्ले लिखो :

- | | | |
|--------------|-------|-----------------|
| (i) दरबार | | (मंदर, महल) |
| (ii) विश्वास | | (अहंकार, भरोसो) |
| (iii) इरादो | | (इशारो, संकल्प) |
| (iv) डींहूं | | (सिजु, चंडु) |



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. (ब)
2. (अ)



नवां लफ़्ज़

- सिदिकु = आस्था, विश्वास, श्रद्धा
- रटन = धार्मिक यात्रा
- हाकारी = मशहूर
- गादेसर = गद्दीअ ते बिराजमान
- गोठ = गांव

देश असांजो

असीं पंहिंजे देश जा गुण गाईदासीं। अजु गडिजी करे भारत माता खे सुर्ग बणाइण जो संकल्प कंदासीं। असां पाण में राष्ट्र भावना जागाईदासीं, जीअं सभिनी जो देश लाइ प्रेम वधे। असां देश जो विकास करे पूरे विश्व खे नई राह डेखारींदासीं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढ़ण खां पोड़ शागिर्द-

- बैतु पढ़ी, देश जे खासियतुनि बाबत दोस्तनि सां गाल्हि बोल्हि कनि था।
- अलगि अलगि मुदनि ते वडनि खां सुवाल पुछनि था।
- पंहिंजो पाण लिखण जी क़ाबिलियत खे सुजाणनि था।
- पंहिंजे आसपास जे वाक़अनि जे बारीकियुनि ते ध्यान डेई, ज़िबानी नमूने रदअमल कनि था।



7.1 बुनियादी सबक़

देश असांजो, धरती पंहिंजी, सभु धरतीअ जा लाल,
नओं इंसानु बणायू था,
नओं संसार रचायू था।

(1)

कारी कारी राति अंधारी,
जे गुजिरी वेंदी हिकवारी,
सूरज जा किरिणा छुहंदा, धरतीअ जी गोदि विशाल,
जग खे मुक्तु बणायूं था,
नओं संसार रचायूं था।

(2)

लहंदासीं सभु सुंदर सुपना,
राहुनि जा, पंहिंजीअ मंजिल जा,
झंगल झाग्रे, मंजिल पाए, माणियूं अजु कमालु,
हकीकत ख्वाब बणायूं था,
नओं संसारु रचायूं था।

(3)

धरती सुर्ग बणाईदासीं,
दुनिया खे चमिकाईदासीं,
नवनि उमंगनि, ख्यालनि जी, सभु खणी मशाल,
जहान खे राह लगायूं था,
नओं संसार रचायूं था।



(मोती प्रकाश)



7.2 अचो त समुझूं

कवी हिन बैत में समुझाईदे चवनि था त हीउ देश असांजो आहे, हीअ धरती पिण असांजी आहे।
असीं सभु धरतीअ जा लाल, बार आहियूं। असीं सभु गडिजी, नओं संसार बणाईदासीं।

कवी समुझाए थो, अजु डुखियो वक्तु आहे, इहो गुजिरी वेंदो। जीअं कारी रात गुजिरण खां पोइ सूरज जा किरणा ईंदा आहिनि ऐं चइनी तरफ़ रोशनी छांइजी वेंदी आहे; अहिडे नमूने हिन डुखिए वक्तु खां पोइ सणाओ वक्तु ईंदो। इऐं नऐं संसार जी रचना थींदी।

कवी उम्मीद जागाए थो त असां जा सुंदर सुपना ज़रूर पूरा थींदा ऐं हरिको पंहिंजी मंजिल ते पहुचंदो। पंहिंजा ख़्वाब हकीकत में ज़रूर पूरा थींदा।

कवी शफी (साकारी) वीचारधारा सां हले थो त धरतीअ खे असां सुर्ग बणाईदासीं। अहिडे नमूने नऐं संसार जी रचना थींदी।



सबक़ बाबत सुवाल 7.1

हेठियनि सुवालनि जा जवाब डियो :

1. बार कहिड़ो संसार बणाइणु चाहीनि था?
2. धरतीअ खे कंहिंजा किरणा छुहंदा?
3. बार कहिड़ा सुपना लहनि था?
4. बार धरतीअ खे छा बणाइणु चाहीनि था?



मशिंगूलियूं 7.1

- (1) असांजे देश जो राष्ट्रगीत लिखो।
- (2) गोलहे लिखो :

राष्ट्रीय पखी

राष्ट्रीय जानवर

राष्ट्रीय गुल

राष्ट्रीय मेवो

राष्ट्रीय रांदि



तद्हीं छा सिखिया

- देश भगितीअ जी भावना पैदा थिए थी।
- देश भगतनि जूं आखाणियूं पढ़ण जो चाहू पैदा थिए थो।
- बुरायुनि सां मुक़ाबिलो करण जी शक्ती पैदा थिए थी।
- देश जे वाधारे लाइ भावना जागृत थिए थी।



वधीक ज़ाण

- भारत में घणेई बोलियूं गाल्हायूं वजनि थियूं।
- भारत में अनेक ज़ातियुनि, धर्मनि जा माण्हू भाईचारे सां रहनि था।
- अनेकता में एकता भारत देश जी खूबी आहे।



सबक़ जे आखिर जा सुवाल

हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

1. बार तरकी कीअं हासिल कंदा?
2. बार कंहिं खे ख़्वाब बणाईनि था?
3. बार कंहिं खे था राह लगाईनि?
4. बार कंहिंजी मशाल खणनि था?



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. बार नओं संसार बणाइणु चाहीनि था।

2. धरतीअ खे सूरज जा किरिणा छुहंदा।
3. बार सुंदर सुपना लहनि था।
4. बार धरतीअ खे सुर्ग बणाइणु चाहीनि था।



नवां लफ़्ज़

- अंधारी = ऊंदाही
- गुज़िरी = टरी
- मुक्तु = आज़ाद
- मंज़िल = ठिकाणो
- औजु, कमाल = तरकी
- उमंगु = जोशु, जज़िबो
- मशाल = ड़ियाटी
- झागणु = लंघणु, गुज़रण
- सुपना लहणु = सुपना ड़िसणु

तव्हां पंहिंजे घर में या ओड़े पाड़े में के जानवर डिठा हूंद। जीअं कुतो, बिली, गांइ, मेंहिं, बकिरी, उठु, हाथी वगैरह। इहे त थिया पालतू जानवर पर कुझु जानवर झंगलनि, जबलनि, समुंड या नदियुनि जे भरिसां बि रहंदा आहिनि। तव्हां इन्हनि खे फिल्मुनि में, टेलीविज़न ते या चिड़िया घर में वजी ज़रूर डिठो हूंदो। शींहुं, वाघु, चीतो, हरणु, रिछु, जिराफ़ु वगैरह, जेके डिसण में तमामु वडा, ख़ौफ़नाक, पर बारनि खे उहे डिसण में तमाम घणो मजो ईदो आहे। हाणे अचो त असां हिन सबक में वाघ जे बारे में दिलचस्प ज़ाण हासिल करियूं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढ़ण खां पोड़ शागिर्द-

- अखबारूं, बाल पत्रिकाऊं, पोस्टर वगैरह पढ़ंदे, उन्हनि जे बारे में बुधाईनि था।
- अलगि अलगि मक़सदनि लाइ बीहक जूं निशानियूं कम आणीनि था।
- नवनि लफ़्ज़नि ऐं इस्तलाहनि जो इस्तेमालु कनि था।
- भाषा जे बारीकियुनि, जीअं लफ़्ज़नि जे दुहिराअ, ज़मीर, फ़इल वगैरह डांहुं ध्यान डेई लिखनि था।





8.1 बुनियादी सबकु

हिन पृथ्वीअ ते इंसाननि खां सवाइ बिया बि केतिरा साहवारा रहनि था। उन्हनि मां वाघु पिण हिकु आहे। वाघु त तव्हां डिठो हूंदो। तव्हां मां किनि खेसि जानवरनि जे बागु में त किनि खेसि सर्कस में डिठो हूंदो।

वाघु, शींहं ऐं चीतो वगैरह जानवर, बिलीअ जे नसुल मां आहिनि। अंग्रेजीअ में वाघ खे 'टाईगर' चवंदा आहिनि।

शींहं खे झंगल जो राजा चइबो आहे। पर वाघु बि राजा खां घटि कोन्हे। वाघु शींहं जेडो या की कदुरु उन खां बि कद में वडो हूंदो आहे। वाघ जी लंबाई केतिरी हूंदी आहे, उन जी तव्हां खे जाण



आहे? वाघु अटिकल ब मीटर या उन खां बि डिघो थींदो आहे। वाघ जी गर्दन ते शींहं वांगुरु वार न हूंदो आहिनि। पर संदसि मुंहं ते डिघा वार हूंदो आहिनि। संदसि वजनु अटिकल 250 किलोग्राम हूंदो आहे।

संदसि चमिडीअ या खल जो रंगु नारंगी भूरो हूंदो आहे, जंहीं ते कारे रंग जा सुहिणा पटा हूंदो आहिनि। वाघ जे सरीर जो हेठियों भाडो लगभग सफेद हूंदो आहे। संदसि अखि वारे भाडे में सफेद चिटा हूंदो आहिनि।

आम तौर वाघ जी सरासरी उमिरि यारहां साल खनु थींदी आहे। पर के वाघ 20 खां 25 सालनि ताई पिण ज़िदह रहंदो आहिनि।

शींहं घणो करे झुंडनि में रहंदो आहिनि, पर वाघु अकेलो रहणु पसंद कंदो आहे। हीउ खाधो बि अकेलो खाईंदो आहे। वाघिणि हिक वक्ति टिनि चइनि बचनि खे जनमु डींदी आहे। बचनि जूं अखियूं हफ्ते खन ताई घणो करे बंदि रहंदियूं आहिनि। उन वक्ति संदनि माता बचनि जी पालना घणी संभाल ऐं खबरदारीअ सां कंदी आहे। अटिकल छहनि सतनि महीननि खां पोइ खेनि पंहिंजी खोराक पाण हथि करणु सेखारींदी आहे।

वाघु डीहं जो घणो करे शिकारियुनि खां लिकी ऐं काफ़ी होशियारु थी घुमंदो आहे। कंहिं वक्ति हीउ पंहिंजी सलामतीअ वारे हंध जे वेझो लिकी विहंदो आहे, पर राति जे वक्ति हुन जो हौसलो वधी वेंदो आहे।

वाघु जेतोणीकि ज़मीन ते हलंदडु प्राणी आहे, पर हीउ पाणीअ में बि सवलाईअ सां तरी सघंदो आहे। गर्मीअ जे मौसम में हू घणे भाडे तलावनि या ढंडुनि जे भरिसां रहंदो आहे ऐं पाणीअ में तरण जो आनंद माणींदो आहे। पर सियारे ऐं चौमासे में झंगल जे विच वारे भाडे में हलियो वेंदो आहे।

वाघ जी खल घणी कीमती हुअण करे शिकारी वाघ जो शिकारु कंदा आहिनि। भारत सरकार वाघनि जो क़दुर कंदे, शीहं खे रेटे, वाघ खे राष्ट्रीय प्राणी ज़ाहिरु कयो आहे। भारत मां वाघनि जो बुणु मिटिजी न वजे, उन लाइ भारत सरकार वाघनि जे शिकार ते बंदिश विधी आहे। उन्हनि जे विकास लाइ केतिरा ई झंगल ऐं बेला महफूज़ रखिया विया आहिनि।



8.2 अचो त समुझूं

हिन सबक़ जो मुख्य किरदार वाघु आहे। सबक़ में वाघ जे बारे में पूरी ज़ाण डिनल आहे। सबक़ में वाघ जे जनम ऐं उन जी पालना बाबत बुधायल आहे। वाघ सवलाईअ सां तरी बि सघंदो आहे। वाघ जी खल कीमती हुअण सबब उन जे शिकार जो ख़तिरो हूंदो आहे। भारत सरकार उन जे शिकार ते बंदिश विधी आहे। बारनि खे जानवर डिसण में तमाम घणी दिलचस्पी हूंदी आहे। छाकाणि त इहे गुगदाम जानवर बारनि वांगुरु मासूम ऐं अबोझ थींदा आहिनि।

लेखक वाघ जे बारे में तफ़्सीलवार ज़ाण डिनी आहे। वाघ ऐं शीहं में तमामु घणो फ़र्कु आहे। अंग्रेज़ीअ में इन्हनि खे सिलसिलेवार Tiger ऐं Lion चइबो आहे। आम तौर माण्हू इन्हनि बिन्हीं जानवरनि में फ़र्कु महसूस न कंदा आहिनि।

शीहं घणो करे झुंडनि में रहंदा आहिनि, पर वाघु अकेलो रहण पसंद कंदो आहे। वाघु डीहं जो घणो करे शिकारियुनि खां लिकी पाण खे बचाईंदो रहंदो आहे, पर रात जो बिना डप आज़ादीअ सां घुमंदो आहे।

इए ज़रूरु चइबो त लेख वाघ जी ज़ाण सवलनि लफ़ज़नि में पेशि कई आहे।



सबक बाबत सुवाल 8.1

ब्रेकेट मां सही लफ़्ज़ चूडे खाल भरियो :

(बिलीअ, किलोग्राम, यारहां, शींहं, ज़मीन, पाणीअ)

1. वाघु, शींहं ऐं चीतो वगैरह जे नसुल मां आहिनि।
2. वाघ जो वज़नु अटिकल 250 थींदो आहे।
3. वाघ जी सरासरी उमिरि साल खनु थींदी आहे।
4. घणो करे झुंडनि में रहंदा आहिनि।
5. वाघु ते हलंदडु प्राणी आहे, पर हीउ में बि सवलाईअ सां तरी सघंदो आहे।



मशिंगूलियूं 8.1

- (1) अक्हां चिड़ियाघर में कहिड़ा जानवर डिठा आहिनि, उन्हनि जे बारे में ज़ाण हासिल करियो।
- (2) हेठि डिनल खाननि में पालतू ऐं झंगली जानवरनि जा नाला लिखो :

पालतू	झंगली

भाषा जो इस्तेमाल

फ़इलु

1. भावेश अंबु खाधो।
2. असां मुम्बई घुमण वजूं था।
3. मुंहिंजे दादा मुंहिंजे लाइ कैमेरा ख़रीद कई।
4. माली बूटनि खे पाणी डींदो।
5. सुनीता अख़बार लाइ हिकु लेख लिखियो।

मथियनि जुमिलनि में 'खाइणु', 'घुमणु', 'ख़रीद करणु', 'पाणी डियणु' ऐं 'लिखणु', इहे सभु लफ़्ज़ को न को कमु डेखारींदड़ आहिनि। इहे फ़इल आहिनि।

फ़इलु- उहे लफ़्ज़, जिनि मां करण, हुअण या सहण जी माना निकिरे थी, उन खे फ़इलु चइजे थो।

हेठि डिनल जुमिलनि में लीक डिनल लफ़्ज़ फ़इल आहिनि-

1. कुड़िमी खेत में कमु करे थो।
2. बार मेले में रांदीकनि ते खर्चु कनि था।
3. असां ग़रीबनि जी मदद करियूं था।
4. रोहल पंहिंजी साहेडीअ खां किताबु वरितो।
5. पखी हवा में उड़ामी रहियो आहे।
6. काल्ह मीना घर में मिठाई ठाही।



तक्हीं छा सिखिया

- जानवरनि सां प्यारु करणु घुरिजे।
- जानवर असां जा दोस्त आहिनि।
- जानवरनि जो शिकारु न करणु घुरिजे।
- वाघ ऐं बियनि जानवरनि जो वजूद क़ाइमु रहे, इन डिस में कोशिशूं करणु घुरिजनि।



वधीक जाण

भारत सरकार वाघ जे नसुल खे बचाइण लाइ सन 1973 में 'प्रोजेक्ट टाईगर' नाले तहरक शरू कयो। उन जो संदेश हो- भारत वाघ बचाइण में अगिरो आहे। इन प्रोजेक्ट जे तहत सजे भारत में भारत सरकार पारां वाघ जी हिफाजत लाइ कुझु मर्कज बर्पा कया विया आहिनि।



सबक जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब डियो :

- (i) वाघु कहिडे नसुल जो जानवरु आहे? उन्हीअ नसुल जे बियनि जानवरनि जा नाला बुधायो।
- (ii) 'वाघ' खे अंग्रेजीअ में छा चइबो आहे?
- (iii) वाघ जी ऊचाई, डेघि ऐं वजन जी जाण डियो।
- (iv) वाघ जी चमडी ऐं रंग जे बारे में अव्हां खे कहिडी जाण आहे?

2. हेठियनि सुवालनि मां जमीर गोल्हे, लीक डियो :

- (i) मां सख्तु महिनत करे सुठियूं मार्कू खणंदुसि।
- (ii) असां खे समाज जी शेवा करणु घुरिजे।
- (iii) इनाम जो अधिकारी तूं ई आहीं।
- (iv) तव्हां बिन्हीं जो कमु साराह जोगो आहे।
- (v) हू केडांहुं वजी रहियो आहे?

3. हेठियनि लफ़्ज़नि खे जुमिलनि में कमु आणियो :

- | | |
|--------------|--------------|
| (i) कुदिरत | (ii) सुहिणो |
| (iii) मुशिकल | (iv) खबरदारी |



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. बिलीअ
2. किलोग्राम
3. यारहां
4. शींहं
5. ज़मीन, पाणीअ



नवां लफ़्ज़

- नसुल = वंश, ख़ानदान
- झुंडु = टोलो, मेडु
- बुणु = कुलु, नसुलु
- बंदिश = रोक
- रेटे = पासीरो करे
- चिटा = दाग़
- हौसिलो = हिमथ
- मिटिजणु = ख़तमु थियणु
- महफूज़ = सलामत

सिंधी लोक नृत्य

अजु असां सिंधी लोक संस्कृतीअ बाबत, खासि करे सिंधी लोक नृत्य जे बारे में पढंदासीं। को बि लोक नृत्य डिस्सी तव्हां आनंद माणींदा आहियो। कठपुतलियुनि जो लोक नाचु बि तव्हां खे पसंद आहे। अजु असां अलग्ग अलग्ग लोक नृत्यनि जे बारे में पढंदासीं।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक खे पढण खां पोड़ शागिर्द-

- सिंधी लोक संस्कृतीअ बाबत वडुनि खां सुवाल पुछनि था।
- सिंधी लोक नृत्य जी ज्ञाण हासिल करे, उन ते पंहिंजो रदअमल डियनि था।
- नवनि लफ़्ज़नि जी माना लुगति मां गोलहीनि था।
- जुमिलनि खे जिन्स मूजिबु बदिलाए लिखनि था।



9.1 बुनियादी सबक

नचणु, टिपणु मन जो चाहु आहे। अंदर में जडुहिं उमंग उथे थो, तडुहिं उमंग मां कल्पना पैदा थिए थी। कल्पना जेको रूपु वठे थी, उन खे कला चइजे थो। कलाऊं घणनि ई किस्मनि जूं थींदियूं आहिनि। नृत्य बि हिक कला आहे।

हर राज्य, जातीअ खे पंहिंजा पंहिंजा लोक नृत्य थींदा आहिनि। नृत्य खे नाचु बि कोठियो वेंदो आहे।

सिंधियुनि जा बि पंहिंजा निजी लोक नृत्य आहिनि। लोक नाच असांजी तहजीब जो अण वंडियो हिसो आहिनि। उन्हनि में उमंग, संगीत, लय, ताल सां गडु सादगी, मौज, मस्ती ऐं कशिश हूंदी आहे। असां सिंधियुनि जा अनेक लोक नाच आहिनि- समाउ, छेज, टपिड़ो, झुमिरि, होजमालो, ईसी-मोरी, मट नाचु वगैरह। झुमिरि, छेज ऐं होजमालो, सभिनी खां वधीक मशहूर ऐं लोकप्रिय नाच आहिनि।

छेज मर्दनि जो नाचु आहे। कांहिं बि खुशीअ, खासि करे 'बहिराणे साहिब' जे मौके ते मर्द छेज हणंदा आहिनि। हिन नाच में मर्द हथनि में काठ जा डंडा, जिनि खे डौंका या डौंकिला बि चयो वेंदो आहे, रेशमी रुमाल बुधी,



गोलु घेरो ठाहे बीहंदा आहिनि। उन्हनि जे विच में या पासे खां दुहिलारी दुहिल वजाईदा आहिनि ऐं शहनाईअ वारा शहनायूं वजाईदा आहिनि। दुहिल, शहनाईअ जे ताल जे जोश ते सभु छेजारी डौंकिले सां डौंकिलो हणंदे गोलु घुमंदा नचंदा आहिनि। चौतरफ बीठल माण्हू छेज जी मौज माणे झूमंदा आहिनि ऐं खुशि थी घोरूं घोरींदा आहिनि। छेज सां लोक गीत जी धुनि बि जुड़ियल हूंदी आहे। छेजारी विच विच में 'आयोला लाल झूलेलाल' जा नारा बि लगाईदा आहिनि।



झुमिरि जालुनि जो लोक नाचु आहे। खासि करे शादी, विहांअ जे मौके या बिए कांहिं खुशीअ जे मौके ते औरतूं लाडा, गेच, सहरा गाईदे विच में गोलु घेरा ठाहे बीहंदियूं आहिनि। सुर ऐं ताल ते

झुमिरि विझंदड औरतूं मौज, मस्तीअ, खुशीअ, आनंद में अची गाईदियूं ऐं नचंदियूं आहिनि। उन्हनि जे नचण ऐं शरीर जी लचक, लोड, अदा मनु मोहे छडींदी आहे। इन्हीअ रीति झुमिरि सुर, ताल ऐं नाच जो अनोखो संगम आहे।



होजमालो खे जमालो बि चयो वेंदो आहे। ही नाचु 'होजमालो' सिंधी लोक नृत्य

गाईदे कयो वेंदो आहे। मर्द साजनि जे ताल ते गीत जी लय ऐं सुर ते चेल्ह खे मटिकाए, गोलु घेरे में बीही शुरूआति में आहिस्ते आहिस्ते ऐं पोइ तेज रफ्तार सां नृत्य कंदा आहिनि। शादी मुरादी या कंहिं बि खुशीअ जे मौकनि ते गायो ऐं नचियो वेंदो आहे। औरतूं लाडा, शादी गीत गाईदे बि हीउ नाचु नचैदियूं आहिनि। सिंधी लोक नृत्यनि में सुहिणा सिंधी चेहरा खुशहालीअ सां बहिकण लगंदा आहिनि।



9.2 अचो त समुझूं

हर कौम, जातीअ, राज्य, इलाके जियां सिंधु ऐं सिंधियुनि जा बि पंहिंजा निजी लोक नृत्य आहिनि, जेके जुदा जुदा खुशीअ, डिणनि वारनि जे मौकनि ते कया वेंदा आहिनि। नृत्य सां साज, ताल ऐं शारीरिक क्रियाऊं पिण शामिल हूंदियूं आहिनि। जंहिं सां राग पिण जुड़ियल हूंद आहिनि। हिन सबक में सिंधी लोक नाचनि जे बारे में जाण डिनी वेई आहे। झुमिरि जालुनि जो नाच आहे, छेज मर्दनि जो नाचु आहे, इहो डाँकनि सां कंदा आहिनि। मर्द होजमालो नाचु बि कंदा आहिनि। सिंधी नाच, सिंधी संस्कृतीअ जो हिकु अहम अंगु आहिनि।

सिंधी साहित्य में लोक अदब जी पंहिंजी अहम जगह आहे। लोक अदब पीढी दर पीढी हलंदो अचे थो। प्राचीन सिंधी सभ्यता ऐं संस्कृतीअ जो दर्शन लोक अदब में ई डिसिजे थो।

लोक अदब में लोक नृत्य, लोक कहाणियूं, लोक नाटक, लोक बैत, चवणियूं, पहाका वगैरह अची वजनि था। लोक अदब मां अवाइली दौर जे रीतियुनि, रस्मुनि, रवाजनि ऐं रवायतुनि जी जाण पवे थो।



सबक बाबत सुवाल 9.1

खाल भरे हेठियां जुमिला पूरा करियो :

1. हर राज्य, कौम खे पंहिंजा पंहिंजा थींदा आहिनि।
2. जालुनि जो लोक नाच आहे।



मशिंगूलियूं 9.1

- (1) भारत जे जुदा जुदा राज्यनि जा के बि पंज लोक नाच ज़ाणायो।
- (2) कौंहिं वडिड़ीअ खां को बि लाडो बुधो।
- (3) खुशीअ जे मौक़े ते थींदड़ नाच डिसो ऐं उन्हनि में भागु वठो।



तव्हीं छा सिखिया

- लोक नाचनि ऐं लोक वरिसे जी ज़ाण
- जुदा जुदा लोक गीतनि ऐं लोक नाचनि जी ज़ाण
- सिंधी लोक संस्कृतीअ जी ज़ाण



वधीक ज़ाण

भारत जा राज्य	मशहूर लोक नाच
(1) पंजाब	भांगड़ा
(2) गुजरात	गरबा
(3) राजस्थान	घूमर
(4) उत्तर प्रदेश	कथक
(5) केरल	कथकली
(6) तमिलनाडू	भरतनाट्यम
(7) महाराष्ट्र	लावणी



9.4 सबक जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब डियो :

- (i) सिंधियुनि जा कहिड़ा कहिड़ा लोक नाच आहिनि?
- (ii) बहिराणे साहिब वक्ति कहिड़ो नाचु कयो वेंदो आहे?
- (iii) होजमालो जो बियो नालो छा आहे?
- (iv) झुमिरि में कहिड़ा साज वजाया वेंदा आहिनि?

2. हेठि डिनल खाको पूरो करियो :

अददु वाहिदु

अदद जमउ

स्त्री

.....

.....

मर्द

औरत

.....

.....

नाच

टोकिरी

.....

.....

अंब

3. हेठियनि लाइ हिकु लफ्जु लिखो :

- (i) छेज विझंदड़-
- (ii) दुहिल वजाईदड़-
- (iii) घोरियल रकम-
- (iv) काठ जा गोल डंडा-

4. हेठियां जुमिला अदद जमउ में लिखो :

- (i) मां सिंधी पढ़ंदो आहियां।
- (ii) हू गोठ में रहंदो आहे।
- (iii) तूं नाचु करीं थी।
- (iv) हूअ गाईदी आहे।

5. सही (✓) ऐं ग़लत (×) जा निशान लगायो :

- (i) रास सिंधी नाच आहे। ()
- (ii) छेजारी चौरस में बीहंदा आहिनि। ()
- (iii) छेजारी विच विच में आयोलाल झूलेलाल जा नारा लगाईदा आहिनि। ()
- (iv) झुमिरि मर्दनि जो नाचु आहे। ()
- (v) मट नाचु सिंधी नाचु न आहे। ()

6. डिंगियुनि में डिनल हिदायतुनि मूजिबु जुमिला फेराए लिखो :

- (i) राम स्कूल वजे थो। (जमान माजीअ में बदिलायो)
- (ii) असां नागपुर वेंदासीं। (जमान हाल में बदिलायो)
- (iii) मीना मूंखे सूखिड़ी डींदी। (जमान माजीअ में बदिलायो)
- (iv) टोकिरीअ में घणेई अंब हुआ। (जमान हाल में बदिलायो)
- (v) अंगद लगडु उड्डायो। (जमान मुस्तक़बिल में बदिलयो)



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

1. लोक नृत्य

2. झुमिरि



नवां लफ़्ज़

- संस्कृती = सभ्यता, सामाजिक विकास
- इजाफ़ो = वाधारो
- डौँकिला = काठ जा गोल डुंडा
- दुहिलारी = दुहिल वज़ाईदड़
- गेच = शादीअ जा गीत
- लोडु = हलण जो ढंगु, मोहींदड़ चाल
- सरहाई = खुशी, आनंद, मौज
- झुमिरि = हथ ऐं बांहूं चुरपुर में आणे, फेरियूं पाए नचण जी क्रिया
- तहज़ीब = सभ्यता
- अण वंडियो = न टुटंदडु, दाइमी
- डौँकाई = डौँकनि जो वाहिपो कंदड़
- घोर = घोरियल रक़म या शइ
- सहरा = शादीअ जा गीत, लाडु
- छेज़ारी = डौँकनि सां नाचु कंदड़

10

वण टिण ऐं बेला



बंजर ज़मीन
मिट्टी ऐं पथर



सरसब्ज़ ज़मीन
वण-टिण ऐं सावक

मथियुनि बिन्हीं तस्वीरुनि मां तव्हांखे कहिडी तस्वीर पसंद आहे?

बिलकुल सही, सरसब्ज़ वारी तसवीर ई सभिनी खे वणंदी। वण-टिण, सावक ऐं बेला धरतीअ जी संहं आहिनि, असांजे जीवन जो आधार आहिनि। इन्हनि बिना जीवन जी कल्पना नथी करे सघिजे।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- वणनि टिणनि जी अहमियत पढ़ी, सुवाल पुछनि था।
- सबकु पढ़ी, वणनि टिणनि बाबत जुदा जुदा लेख लिखनि था, पंहिंजनि दोस्तनि सां चर्चा कनि था।

- जुदा जुदा रचनाउनि में आयल नवनि लफ़्जनि जो मतलब समुझी इस्तेमाल कनि था।
- दर्सी किताब में आयल मवाद खां सवाई बाल साहित, अखबारूं, होर्डिंग्स वगैरह समुझनि ऐं पढ़नि था।



6.1 बुनियादी सबकु

पृथ्वीअ जी अधु सूंहं वणनि टिणनि में आहे। हिंदुस्तान जहिडे गरम मुल्क में त वण नइमत आहिनि। वण घरनि ऐं घिटियुनि जी वसउं, सड़कुनि जी सूंहं ऐं बागुनि जो सींगारु आहिनि। वण वाटहडुनि खे गर्मीअ खां बचाईनि था ऐं डीहं जी हवा खे साफु कनि था।

वण सुज ऐं वसउं में फ़र्कु बुधाईनि था। संदनि सावा पन तन मन लाइ ठारु आहिनि। बसंत ऋतुअ में नाजुक गुंचा डिंसी कुदरत तां बलहारु पियो वजिजे ऐं संदनि बूर जे सुगंधि सां दिमाग खे तरावत अचियो वजे। वण न हुजनि त जेकर पखियुनि जूं मिठियूं बोलियूं बि कीन बुधिजनि।



ऊन्हारे जे मौसम में बिनि पहिरनि जे वक्ति तपति में पैदल पंधु करण बइदि ई वणनि जे आसाइश जो कदुरु थिए थो।

चौपाए माल लाइ छांवरो न हुजे त जेकर संदनि खीरु सुकी वजे ऐं मालु उसुनि में सड़ी मरी वजे। हारियुनि लाइ वणनि जी छांव त जीअ जो जियापो आहे।

किनि वणनि जा पन, बूरु ऐं गुल दवाउनि तौर कम ईंदा आहिनि। वण वरी मेवो डियनि। मेवो बि भांति भांति जो थिए थो। संदनि शिकिल धार धार। रंगु ऐं सवादु निरालो। निरालीअ कुदरत जी अपार करुणा ऐं शक्तीअ जी साख डियनि था। ताजुब त इहो आहे जो वण न रुगो आम ज़मीन ते मगर पहाड़नि ते बि उभिरनि था। वणनि बिना पहाड़ पिण गंजा या ठोड़हा कोठिजनि था। हकीकत त इहा आहे त असांजो सुख सम्पदा घणे भाडे वणनि टिणनि सां गुंढियल आहे।

वडीअ एराजीअ में घाटा ऐं डिघा वण हुजनि त उन खे बेलो सडिबो आहे। बेलनि में अक्सर बबुर, कंडे, चील ऐं दयाल जा वण हूदा आहिनि। उते छांविरो अहिडो त घाटो हूदो आहे, जो मंझांदि जो सिज जो तडिको मथां कीन पवंदो ऐं डींहां जो मुंहं ऊंदाही डिसी अचरज वठियो वजे। बेलनि में कूदरती दिलठारु सांति हूंदी आहे। उते वणनि जे पननि जी सरसराहट ऐं पखियुनि जूं बोलियूं बुधी दिल में अजीब उमंग उथंदा आहिनि ऐं कूदरत जा रंग डिसी करतार जे अजीब लीला जो अनुभउ थींदो आहे।



6.2 अचो त समुझूं

जडुहिं तव्हां बाग में वेंदा आहियो त चौधारी गुल फुल, नंढा वडा बूटा डिसंदे केडो न मजो ईदो आहे। थधी थधी हवा असां जे मन खे खुश ऐं ताजो तवानो करे छडींदी आहे। केतिरा ई माणहू सुबुह सुबुह जो बाग में सैर करण वेंदा आहिनि ऐं पंहिंजी सिहत ठाहींदा आहिनि। असां जडुहिं रस्तनि ते हलंदा आहियूं ऐं रस्तनि जे बिन्हीं पासे वण लगल डिसंदा आहियूं त उतां लंघण में आनंद ईदो आहे। वण रस्तनि जी सूंहं वधाए छडींदा आहिनि।

हिन सबक में लेखक वणनि टिणनि जे बारे में जाण डिनी आहे। वण गर्मीअ खां बचाईनि था। वणनि जी छांव वाटहडुनि खे राहत पहुचाईदी आहे। वण हवा में आक्सीजन जो अंदाज वधाईदा आहिनि, हवा खे साफ कंदा आहिनि। वणनि जो हरहिक हिसो काराइटो हूंदो आहे।

अजु जे युग में इंसान पंहिंजनि थोरनि फाइदनि जे करे डींहां डींहुं वण कटींदो थो वजे, जंहिं करे असां जो वातवरण गलीज थींदो थो वजे।

तव्हां सिखिया त वण-टिण ऐं बेला असांजी जिदंगीअ लाइ तमाम जरूरी आहिनि। वणनि खे शहर जा फिफिड चयो वेंदो आहे। वण-टिण ऐं बेला पखियुनि पसुनि जी आसाइश पिण आहिनि। इन करे असां खे वणनि खे बचाइणु खपे ऐं नवां वण लगाइणु खपनि।



सबक बाबत सुवाल 6.1

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

- (i) वण कंहिं लाइ नइमत आहिनि?
- (ii) बेला छा खे चइबो आहे?

(iii) वणनि जा कहिड़ा भाडा दवाउनि तौर कम ईदा आहिनि?

(iv) दिमाग़ खे तरावत कंहिं सां ईदी आहे?

2. हेठियां खाल भरियो :

(i) चौपाए माल लाइ न हुजे त जेकर संदनि खीरु सुकी वजे।

(ii) किनि वणनि जा पन, बूरु ऐं गुल तौर कम ईदा आहिनि।

(iii) वण बिना पहाड़ गंजा या कोठिजनि था।

(iv) बेलनि में कुदरती सांति हूंदी आहे।

3. जोड़ा मिलायो :

(i) सावा (अ) टारियूं

(ii) बसंत (ब) पन

(iii) सुकल (स) ऋतु



मशिंगूलियूं 6.1

(1) तव्हांजे घर जे आसपास जेके वण-टिण आहिनि, उन्हनि जा नाला लिखो।

(2) वणनि-टिणनि जा जेके पन हेठि किरी पिया आहिनि, से गडु करियो। उन्हनि खे स्क्रेप बुक में लगायो ऐं नाला लिखो।



तव्हीं छा सिखिया

- वणनि-टिणनि ऐं बेलनि मां केतिरा ई फ़ाइदा आहिनि।
- चौपाए माल जे जियापे लाइ वण-टिण ज़रूरी आहिनि।
- वण-टिण धरतीअ जो सींगारु आहिनि।
- वण-टिण गर्मीअ में राहत पहुचाईनि था।



वधीक ज्ञाण





6.4 सबक जे आखिर जा सुवाल

1. हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक सिट में लिखो :
 - (i) चौपाए माल लाइ छा जरूरी आहे?
 - (ii) वणनि जो बूरु ऐं गुल कहिडे कम अचनि था?
 - (iii) वणनि जो को बि हिकु फाइदो लिखो।
 - (iv) वणनि जा कहिडा भाडा दवाउनि तौर कम अचनि था?
2. हेठियनि लफ़्ज़नि जी माना लिखी जुमिलनि में कमि आणियो :
 - (i) गुंचा
 - (ii) तरावत
 - (iii) बूरु
 - (iv) पाडूं
3. ब्रेकेट मां मुनासिब लफ़्ज़ चूंडे खाल भरियो :

(पन, छांव, निरालो, सुगंधि)

 - (i) महाबलेश्वर में कुदरत जो नज़ारो डाढो हो।
 - (ii) ऊन्हारे जी गर्मीअ में वणनि जी राहत डींदड़ आहे।
 - (iii) सरउ (पतझड़) जी मुंद में वणनि जा छणंदा आहिनि।
 - (iv) गुलाब जे गुल जी सभिनी खे वणंदी आहे।
4. हेठियनि जा ज़िद लिखो :
 - (i) गरमु -
 - (ii) साफु -
 - (iii) सुगंधि -
 - (iv) तपति -

5. हेठियों खाको पूरो करियो :

लफ़्जु	अददु वाहिदु	अददु जमउ
पढ़णु	मां पढ़ां थो।	असीं पढ़ूं था।
गाल्हाइणु	तूं गाल्हाई थो।	
डिसणु		उहे डिसनि था।
रधणु	छोकिरो रधे थो।	
समुझणु		छोकिरियूं समुझनि थियूं।
इंतज़ार करणु		बार इंतज़ार कनि था।



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

- (i) गरम मुल्कनि लाइ (ii) वड़ीअ एराज़ीअ में घाटा ऐं डिघा वण

(iii) पन, बूर, गुल (iv) वणनि जे बूर सां
- हेठियां खाल भरियो :

(i) छांवरो (ii) दवाउनि

(iii) ठोड़हा (iv) दिलठारु
- जोड़ा मिलायो :

(i) (ब) (ii) (स) (iii) (अ)



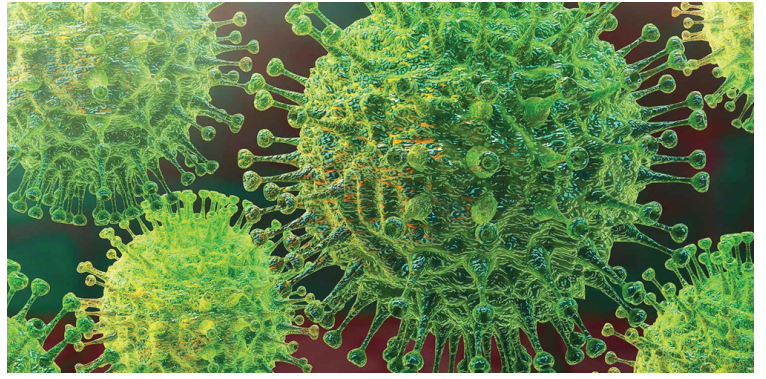
نواں لفظ

- छांवरो = छायादार जगह
- वसउं = रैनक
- पाडूं = जडूं
- जीअ जो जियापो = जीअण जो सहारो
- चौपायो माल = चइनि पेरनि वारा गाहु खाईदड़ जानवर
- लकाउ = नज़ारो
- ऊन्हारो = गर्मीअ जी मौसम
- दिलठारु = वणंदडु

11

कोरोना

इंसान ज़ात ते वक्ति बि वक्ति केतिरियूं ई आपदाऊं ईदियूं रहियूं आहिनि ऐं हर वक्ति तजुर्बो इहो बुधाए थो त उन्हनि आपदाउनि जो हिमत हौसले सां मुक़ाबिलो कयो वियो आहे। के आपदाऊं त सजे विश्व लाइ हिक चुनौती बि बणियूं आहिनि। अहिडी हिक आपदा साल 2020 में इंसान ज़ात ते आई। उहा हुई कोरोना। भारत बि उन जी चपेट में आयो। भारत सरकार तमाम घणो धीरज रखी, सही वक्ति ते सही उपाव वठंदे हिन महामारीअ मां लंघे पार पियो।



सिखण जा नतीजा

हिन सबक़ खे पढ़ण खां पोइ शागिर्द-

- पंहिंजे आसपास थींदड़ घटनाउनि खे ध्यान सां ड़िसंदे, जवाबी रूप में पंहिंजो रदअमल ज़ाहिर कनि था।
- कोरोना सबक़ पढ़ी, आसपास जे घटनाउनि बाबत सुवाल पुछनि था।
- भाषा जे बारीकियुनि खे समुझी, पंहिंजी मकानी ब़ोलीअ में लिखनि था।
- ब्रियनि विषयनि में इस्तेमालु थींदड़ लफ़्ज़नि बाबत सुवाल पुछनि था।



11.1 बुनियादी सबकु

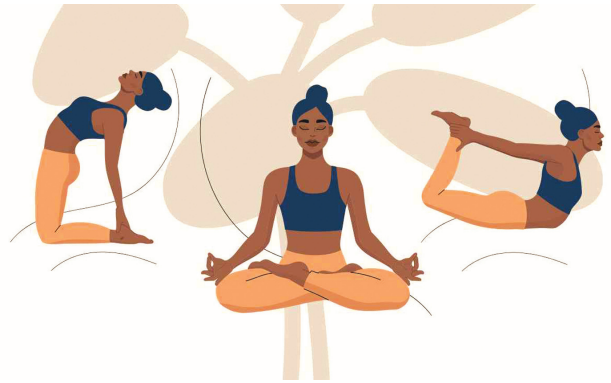
कोरोना वायरस हिकु विचुडंदु मर्जु आहे। हिन जी शुरूआति चीन खां थी। चीन में वुहान जे होबोई सूबे में 1 डिसम्बर, 2019 ई. ते हिक मरीज में हिन वायरस जे हुअण जी ज्ञाण मिली। दुनिया जा लगभग समूरा मुल्क हिन महामारीअ जे चपेट में आया। भारतु बि हिन वायरस खां अण छुहियलु न रहियो। भारत में बि कोरोना जो फहिलाउ थी वियो। भारत सरकार बरवक्ति खबरदार थी, उन खे रोकण लाइ कोशिशूं शुरू कयूं।



हिन बीमारीअ में विचुडियल माणहूअ में कुझु आसार जाहिर थियण लगुंदा आहिनि। जीअं त बुखारु, खीघि, साहु खणण में तकलीफ वगैरह। कडहिं कडहिं इहो बि डिठो वियो आहे त बीमार शख्स में के बि आसार डिसण में ईदा आहिनि।

हिन बीमारीअ जो पखिड़जणु घणो करे हवा जे जरीए थिए थो। विचुडियल शख्स जे छिक डियण, खंघण सां वायरस जा कतिरा ब गज परे ताई वजी सघनि था ऐं हिकु सिहतमंदु माणहू उन्हनि जे राबिते में अची बीमारु थी सघे थो। अहिडीअ तरह ही मर्जु हिक शख्स खां बिए ताई विचुडंदो आहे।

- बीमारीअ खां बचण जा कुझु तरीका :
- वक्ति बि वक्ति साबुण सां हथ धोइजनि।
- वात ऐं नक खे चडीअ तरह ढकींदड़ मास्क पाइजे।
- बीमारीअ खां बचण लाइ, बाहिर निकिरण खां पासो कजे ऐं भीड़ वारियुनि जगहियुनि ते वजण खां बचिजे।



- बाहिर निकिरण वक्ति बियनि खां बिनि गजनि जो मुफ़ासिलो रखिजे।
- पंहिंजी सिहत खे बरकरार रखण लाइ वर्जिश ऐं योग करण घुरिजे।
- सैनेटाईजर इस्तेमाल करण घुरिजे।
- हिन विचुडंदड मर्ज खां बचण लाइ वैक्सीन लगाइणु घुरिजे।



कोविड 19, महामारीअ सबब आम माण्हू दहशत में अची विया। माली सरगर्मियूं रुकिजी वजण सबब बेरोजगारी वधी वेई। माण्हू हिक बिए सां मिलण जुलण में अहितियात करे रहिया हुआ। डिणनि वारनि, मेलनि मलाखिड़नि ते पाबंदियूं लगण सबब इंसानी मन परेशान थी वियो। बीमारीअ सबब माणहुनि जो सुभाव चिड़चिड़ो थी वियो। माण्हू उन खे कुदरती कोप समुझी रहिया हुआ।



दुनिया जे बियनि मुल्कनि सां गडु भारत में बि कोरोना, इंसानी जिंदगी बेतरतीब करे छडी। समाजी मुफ़ासिलो, मास्क वगैरह अवाइली स्टेज ते हिन मर्ज जे रोकथाम जा इलाज हुआ। हिन वायरस जी वैक्सीन लगण सां चडनि माणहुनि खे हिन महामारीअ मां छुटिकारो मिलियो।

कोरोना बीमारीअ जो मुक़ाबिलो असां कयो। पर इहा बीमारी वेंदे वेंदे हिकु वडो संदेश डेई वेई त हमेशह असां

खे साफ़ सफ़ाईअ डांहूं पूरो ध्यान डियणु घुरिजे। बीमारियुनि खां बचण लाइ पंहिंजी सिहत जो ध्यानु रखिजे।



11.2 अचो त समुझूं

हिन सबक् में कोरोना महामारीअ बाबत ज़ाण डिनल आहे। सन् 2019 ई. में कोरोना बीमारीअ जी शुरूआत थी ऐं धीरे धीरे सज़ी दुनिया में फहिलिजी वेई। सबक् में कोरोना बीमारीअ जे उहिजाणनि जी ज़ाण डिनल आहे। हिन बीमारीअ जो फहिलाउ घणो करे हवा ज़रीए थींदो आहे। सबक् में इन्फेक्शन खां बचण जा उपाव बुधायल आहिनि। असांखे उन्हनि डांहूं ख़्यालु रखणु घुरिजे।

भारत सरकार कोविड-19 वक्ति इन्हीअ बीमारीअ जी पाड़ पटण लाइ ज़ोरदार कदम खंया। कोरोना वायरस तमाम घटि वक्त में वैक्सीन तैयार कयो वियो। मुख्य तौर कोविड शील्ड ऐं को-वैक्सीन जल्दु तैयार थियूं हुयूं। को-वैक्सीन भारत जे साइंसदाननि तैयार कई।

भारत सरकार किरोंदें माणहुनि खे मुफ्त में टुका हंया। न सिर्फ़ एतिरो, बल्कि ज़रूरतमंद देशनि खे बि मुफ्त में टुका डिना विया। भारत सरकार मानव ज़ात जी सेवा जो सज़ी दुनिया जे अगियां हिकु सुहिणो मिसाल पेशि कयो।

इन खां सवाइ योग ऐं व्यायाम करण सां न रुगो शरीर तंदुरुस्तु रहे थो, पर सभिनी बीमारियुनि खां बचाउ बि थी सघे थो। असांखे हमेशह पंहिंजी बदनी सफ़ाईअ ड़ाहुं पिण ध्यान ड़ियणु घुरिजे।



सबक़ बाबत सुवाल 11.1

सही जवाब चूडे हेठियां ख़ाल भरियो :

- कोरोना बीमारी साल में शुरू थी :
(अ) 2018 (ब) 2019
(स) 2020 (द) 2021 ()
- कोरोना बीमारी वसीले फहिलिजंदी आहे :
(अ) हवा (ब) पाणी
(स) खाधो (द) पखियुनि ()



मशिगूलियूं 11.1

- कोरोना बीमारीअ सबब थींदड़ असरनि बाबत पंहिंजा वीचार लिखो।
- कंहिं बि बीमारीअ जी जाच कराइणु छो ज़रूरी आहे, उन बाबत ज़ाण हासिल करियो।



तद्हीं छा सिखिया

- महामारी छा थींदी आहे।
- कोरोना बीमारीअ जे उहिजाणनि (Symptoms) जे बारे में जाण हासिल कई।
- महामारीअ खां बचण जा उपाव
- धीरज ऐं हिमत सां वड्डे में वड्डी आपदा जो मुक़ाबिलो करे सघिजे थो।



वधीक जाण

सन् 1918-1920 ई. में सज़ी दुनिया में हिक बीमारी फहिलिजी, जंहिं खे स्पेनिश फ़्लू नाले सां सड्डियो वेंदो आहे। हिन बीमारीअ जा मुख्य कारण H1N1 इनफ़्लूएँजा A वायरस हो।



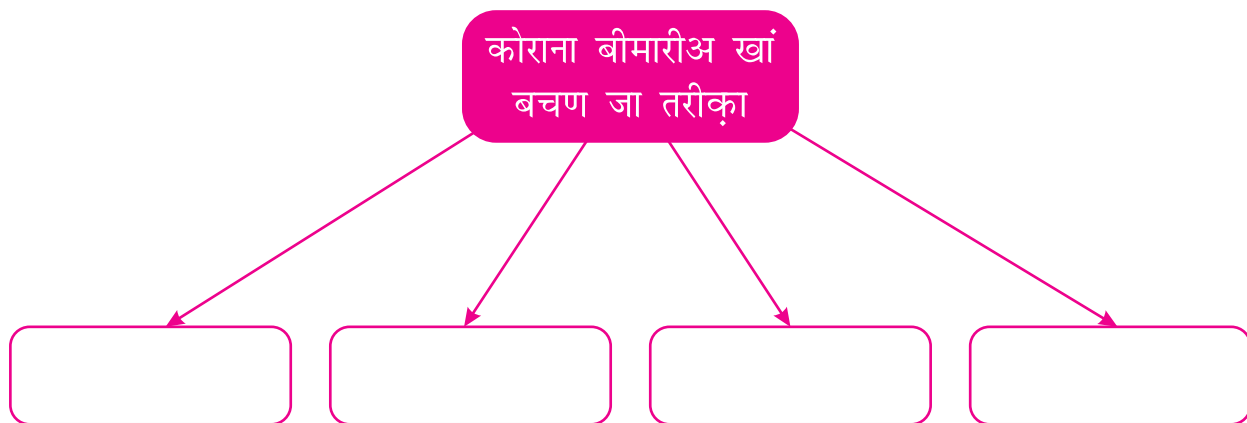
सबक़ जे आखिर जा सुवाल

- हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :
 - कोरोना वायरस कहिड़ो मर्जु आहे?
 - कोविड 19 बीमारी थियण जो मुख्य वसीलो कहिड़ो हो?
 - कोरोना बीमारीअ में डाक्टरनि पारां घणो मुफ़ासिलो रखण लाइ चयो वियो?
 - बीमारियुनि खां बचण लाइ असां खे छा करणु घुरिजे?

- हिक लफ़्ज़ में जवाब लिखो :

- हिकु अंग्रेज़ी लफ़्ज़
- हिक बीमारी
- हिकु महीनो
- हिक देश जो नालो

3. हेठियों खाको पूरो करियो-



4. ज़िदनि जा जोड़ा मिलायो :

- | | |
|-------------|---------------|
| (i) शुरूआति | (अ) खास |
| (ii) बीमार | (ब) अंदर |
| (iii) बाहिर | (स) आखिर |
| (iv) आम | (द) तंदुरुस्त |

5. हेठियनि जुमिलनि जा किस्म सुजाणो :

- (i) नरेश खे जेतून न वणंदो आहे।
- (ii) अरे! मां त अजां टिकेट न कढाई आहे।
- (iii) मूंखे सूफु खाइणु वणंदो आहे।
- (iv) छा तव्हां प्रोग्राम में शामिल थींदा?
- (v) सैनिक देश जी रखिया कंदा आहिनि।



सबक़ बाबत सुवालनि जा जवाब

- 1. (ब)
- 2. (अ)



નવાં લખ્જ

- વિચુડંદડ = ફહિલજંદડ
- મર્જુ = બીમારી, રોગુ
- મહામારી = વડી બામારી
- બરવક્તિ = ઝન્હીઝ ઈ વક્ત તે
- ઝ્ખબરદાર = સાવધાન
- ઝહિઝાણ = નિશાન

मुक्त बेसिक शिक्षा

पाठ्यक्रम

1. मुहाणु

खुलियल बुनियादी तालीम (ओपन बेसिक एज्युकेशन) 'ख' लेविल ताई बार किताबनि जी बोली ऐं पंहिंजे माहोल सां चडीअ तरह वाकुफु थी वेंदा आहिनि। सिंधी भाषा जे हिन कोर्स में अहिड़ो मवादु शामिलु आहे, जिनि सां उन्हनि खे बुधण ऐं गाल्हाइण जे महारत सां गडु, उन्हनि खे पढ़ण ऐं लिखण जे महारत जी तरकी पिणु थींदी।

बार पंहिंजे आसपास मौजूदु भाषा जे मुख्तलिफ़ सूरत खे समुझी, पंहिंजे आसपास जे माहोल खे वधीक बहतर अंदाज में समुझी पंहिंजे किरिदारु खे तइ करे सघंदा। मुख्तलिफ़ सूरतहाल खे डिस्सी, बुधी ऐं पढ़ी, पंहिंजे रद अमल जो इजिहारु करे सघनि था। इन सां गडु, उहे पंहिंजे परिवार, दोस्त, ग्रुप ऐं समाज में पंहिंजो किरिदारु अदा करण लाइ तैयार थींदी। शागिर्द पंहिंजे अंदाज सां मुख्तलिफ़ हवालानि में ज़िबानी ऐं लिखियल तौर ते तख़लीकी इजिहारु जो विकास करे सघंदा। इन्हीअ सां गडु सिंधी भाषा ज़रीए बियनि विषयनि जो पिण अभ्यास करे सघंदा। इन खां अलावा, हिन मवाद जे ज़रीए भाषा सां लागापियल बियनि कारदिगीअ हेठि नवनि लफ़्ज़नि जी ज़ाण हासिल करे, उन जी माना खे समुझंदा, समुझ सां पढ़ंदा, वीचारनि जी गहराईअ खे समुझंदा ऐं अमली ग्रामर खे समुझी, भाषा जे सही इस्तेमाल में माहिर थींदी।

2. मकसदु

हिन कोर्स खे पूरो करण बइदि शागिर्दनि में-

- बुधण, गाल्हाइण, पढ़ण ऐं लिखण जी महारत जो विकास थींदो;
- विंदुर ऐं ज़ाण हासिल करण लाइ अखबार, मैगज़िन ऐं बियनि किताबनि खे पढ़ण लाइ चाहु पैदा थींदो;
- सबक जे नुक्तनि खे बुधी ऐं पढ़ी समुझण जी काबिलियत में वाधारो थींदो;
- सिंधी विषय ज़रीए बियनि विषयनि जे पढ़ाईअ जी महारत जो वाधारो थींदो;
- आज़ाद नमूने पंहिंजे जज़्बात ऐं वीचारनि खे लिखियल रूप सां इजहारण जी काबिलियत जो वाधारो थींदो;
- वाकुफ़ ऐं अणज़ाण सूरतहाल में थियण वारी बहस में हिसो वठणु ऐं पंहिंजो योगदान डियण जी दिलचस्पी जागंदी;

- कोंहिं बि शइ या वीचार खे बुधी पंहिंजी पसंद सां नापसंद खे पंहिंजे लफ़्ज़नि में इज़हारे सघंदा;
- मुख़्तलिफ़ मवादः जीअं ब़ाल साहित्य, ब़ाल मैग़ज़िन, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो मवाद वग़ैरह खे पढी समुझण-समुझाइणु, उन ते पंहिंजो रदअमल डियण, ग़ाल्हाइण ऐं सुवाल पुछण जी काबिलियत / सलाहियत पैदा थींदी;
- अलग़ अलग़ ज़ाण, इश्तहार, पोस्टर, चार्ट, नक्शे खे पढी समुझी सघंदा;
- मुख़्तलिफ़ मक़सद लाइ लिखी सघंदा;
- ज़रूरत ऐं हवाले मूजिबु पंहिंजी भाषा ठाहिणु, भावनाऊं ऐं वीचार ज़ाहिरु करे नवां लफ़्ज़ ऐं उन्हनि नवनि लफ़्ज़नि जा जुमिला इस्तेमाल करे सघंदा;
- कम ऐं असर लागापनि खे पढी करे ऐं समुझी करे उन्हनि खे सुजाणे सघंदा;
- पर, वग़ैरह, जेतोणीकि, त, इहे लफ़्ज़ इस्तेमाल करे सुवालनि जा जवाब ड़ेई सघंदा;
- इस्तलाहनि खे समुझी करे, पंहिंजी भाषा में इस्तेमाल करण जी काबिलियत जो विकास कंदा।

3. विषय खेत्र

हिन कोर्स खे कामयाबीअ सां पूरो करण खां पोइ सिखंदड़ पंहिंजी इच्छा मूजिबु आम नेमाइतो स्कूली तालीम या ब़िए कोंहिं तालीमी सिरिश्ते में छहें दर्जे में दाख़िला वठी सघंदा।

4. कोर्स लाइ ज़रूरी शर्तू

● उमिरि

हिन कोर्स में दाख़िला वठण लाइ सिखंदड़ जी उमिरि घटि में घटि 09 साल हुअणु घुरिजे। 09 सालनि खां वडो को बि ब़ारु दाख़िला वठी सघे थो। वधि में वधि उमिरि जी हद मुकरर न आहे।

● लियाकत

हिन कोर्स में दाख़िला वठण लाइ इहा उमेद कई वजे थी त सिखंदड़-

- पंहिंजी आम रोज़ानी जिंदगीअ में ग़ाल्हाइण, ब़ोल्हाइण में सिंधी भाषा ग़ाल्हाईदा आहिनि ऐं समुझंदा आहिनि;
- ग़ाल्हि-ब़ोल्ह में इस्तेमाल थींदड़ सिंधी लफ़्ज़ ऐं सवला जुमिला लिखी सघनि था;
- जुदा-जुदा हालतुनि में बुधायल ग़ाल्हि खे बुधनि था, समुझनि था ऐं पंहिंजी ग़ाल्हि चई सघनि था।

5. पढ़ाईअ जो माध्यम

पढ़ाईअ जो माध्यम सिंधी (देवनागरी) आहे।

6. कोर्स जो अर्सो

कोर्स जो अर्सो 01 तालीमी सालु रहंदो।

7. कोर्स जा तफ्सील

शागिर्दनि में बुधण, गाल्हाइण, पढ़ण ऐं सिखण, इन्हनि हुनरनि जो वाधारो करण लाइ जुदा-जुदा किस्मनि जी सामग्री डिनी वेंदी। हेठि डिनल सामग्री 'अ' लेविल जो विकास करण वारी आहे ऐं सागिए वक्ति चइनी हुनरनि जो सिलसिलेवार वाधारो कंदी।

कक्षा 4

नंबर	सबक जो नालो	वक्तु (कलाक)	मार्कू
1.	कुदिरत वारा	8	10
2.	ईमानदारु काठियरु	7	10
3.	वतायो फ़कीरु	10	7
4.	पाण ते भाड़णु	10	10
5.	बांदर जो घरु	10	10
6.	प्रदूषण	12	10
7.	योग	10	7
8.	तस्वीर मां फुकिरो	11	8
9.	गड्डहु ऐं झिर्की	7	10
10.	दिल खोले डे	6	8
11.	दार्जिलिंग	9	10
	कुल	100 कलाक	100

दर्जो 5

नंबर	सबक जो नालो	वक्तु (कलाक)	मार्कू
1.	जे संसार में सिजु न हुजे हा	8	9
2.	थोरी बचत घणी राहत	8	10
3.	मिठिड़ी मुर्क	7	8
4.	भरत जो प्यारु	10	10
5.	निमाणी नूरी	12	10
6.	स्वामी सुखदेव साहिब	10	8
7.	देश असांजो	10	8
8.	वाघु	8	9
9.	सिंधी लोक नृत्य	9	9
10.	वण टिण ऐं बेला	8	9
11.	कोरोना	10	10
	कुल	100 कलाक	100

8. कोर्स जा तफ़सील

दर्जो 4

● बुधणु ऐं गाल्हाइणु

पंहिंजे आसपास जे माहोल में थींदड़ घटनाउनि खे बुधण ऐं गाल्हाइण जे हुनुर जी रफ़्तार हासिल थींदी ऐं उनजे आधार ते शागिर्द पंहिंजी गाल्हि बहितर नमूने ज़ाहिर करे सघंदा ऐं बियनि सां गुफ़्तगू करे सघंदा। इहे हुनुर जुदा-जुदा किस्मनि जे अभ्यासनि ऐं मंज़ूर कयल सामग्रीअ जे आधार ते विकास कया वेंदा।

● पढ़णु

शागिर्दनि में पढ़ण जो हुनुर वधाइण लाइ नज़्म ऐं नसुर सां लाग़ापो रखंदड़ जुदा-जुदा किस्म जी सामग्री डिनी वेंदी। उन्हनि में बैत, आत्मकथाऊं, कहाणियूं, लोक कथाऊं, सिंधी भाषा जी सभ्यता शामिल आहिनि। इहा सामग्री 'अ' लेविल जो वाधारो हासिल कयल रूप आहे ऐं वहिंवारी ज़ाण खे मज़बूत करण वारी आहे। इहा उमेद कई वजे त इहा सामग्री हिक पासे भाषा जे हुनुरनि खे वधाईदी ऐं बिए पासे साहित्य जे जुदा-जुदा नयुनि विधाउनि तरफ़ शागिर्दनि खे पाण डाहं कशिश कंदियूं।

● लिखणु

हिन हुनुर जे वाधारे जो मक़सद ध्यान में रखंदे कोर्स में 'अ' लेविल खां अगिते जे दर्जे लाइ वहिंवारी ज्ञान मिसाल लिखण जा नेम, बैत, कहाणियूं, संदेश लिखणु, इहो सभु लिखण सां लाग़ापो रखण वारियूं ग़ाल्हियूं जोड़ियूं वेयूं आहिनि। हिन जो मक़सद इहो आहे त शागिर्दनि जे अंदर लिखण जो हुनुरु अजां बि वधीक बहितर बणिजे।

● ग्रामर

'अ' लेविल में जेको ग्रामर डिनल आहे, उहो ग्रामर खणंदे उन में अजां बि वधीक ग्रामर जूं ग़ाल्हियूं जोड़ियूं वेयूं आहिनि, जेके बोलीअ जी ज़ाण लाइ जोड़ियूं आहिनि। ग्रामर ऐं भाषा जो इस्तेमाल तमाम विंदुराईदड़ नमूने समुझायो वियो आहे, जिनि में सबकनि जो आधार बि शामिल आहे। इहो फ़ाइदो थींदो त शागिर्दनि जे साम्हूं ग्रामर जा मिसाल हूदा। उहे ग्रामर खे सवले नमूने समुझी सघंदा। ग्रामर में ख़ासि करे असां इस्म, ज़मीर, सिफ़ति, साग़ी माना वारा लफ़ज़, हम आवाज़ी लफ़ज़ ज़िद, जिन्स, अदद वगैरह डिनल आहिनि।

दर्जो 5

● बुधणु ऐं ग़ाल्हाइणु

हिन यूनिट जो मक़सद आहे त शागिर्द जुदा-जुदा ज़ाण हासिल करे बुधण ऐं ग़ाल्हाइण जी लियाकत में वाधारो आणीनि। इनकरे शागिर्दनि जी ज़ाण में वाधारो थींदो ऐं शागिर्द बियनि सां सवले नमूने गुफ़्तगू करे सघंदा। इहे हुनुरु जुदा-जुदा अभ्यासनि ऐं रिथियल सामग्रीअ जे आधार ते वधाया वेंदा।

● पढ़णु

शागिर्दनि जे पढ़ण जो हुनुर वधाइण लाइ नज़्म ऐं नसुर सां लाग़ापो रखंदड़ जुदा-जुदा किस्म जी सामग्री डिनी वेंदी। उन्हनि में बैत, आत्मकथाऊं, कहाणियूं, लोक कथाऊं, सिंधी भाषा जी सभ्यता

शामिल आहिनि। इहा सामग्री ‘अ’ लेविल जो वाधारो हासिल कयल रूप आहे ऐं वहिंवारी जाण खे मजबूत करण वारी आहे। इहा उमेद कई वजे त इहा सामग्री हिक पासे भाषा जे हुनुरनि खे वधाईदी ऐं बिए पासे साहित्य जे जुदा-जुदा नयुनि विधाउनि तरफ़ शागिर्दनि खे पाण डांहुं कशिश कंदियूं।

● लिखणु

हिन हुनुर जे वाधारे जो मकसद ध्यान में रखंदे कोर्स में ‘अ’ लेविल खां अगिते जे दर्जे लाइ वहिंवारी ज्ञान मिसाल लिखण जा नेम, बैत, कहाणियूं, संदेश लिखणु, इहो सभु लिखण सां लागापो रखण वारियूं गाल्हियूं जोड़ियूं वेयूं आहिनि। हिन जो मकसद इहो आहे त शागिर्दनि जे अंदर लिखण जो हुनुरु अजां बि वधीक बहितर बणिजे।

● ग्रामर

‘अ’ लेविल में जेको ग्रामर डिनल आहे, उहो ग्रामर खणंदे उन में अजां बि वधीक ग्रामर जूं गाल्हियूं जोड़ियूं वेयूं आहिनि, जेके बोलीअ जी जाण लाइ जोड़ियूं आहिनि। ग्रामर ऐं भाषा जो इस्तेमाल तमाम विंदुराईदड़ नमूने समुझायो वियो आहे, जिनि में सबकनि जो आधार बि शामिल आहे। इहो फाइदो थींदो त शागिर्दनि जे साम्हूं ग्रामर जा मिसाल हूंद। उहे ग्रामर खे सवले नमूने समुझी सघंदा। ग्रामर में खासि करे असां इस्म, जमीर, सिफ़ति, फइलु, ज़मान, जुमिले जा किस्म वगैरह डिनल आहिनि।

9. सिखण ऐं सेखारण जी योजना

इहो कोर्स घर वेठे माध्यम द्वारां डिनो वेंदो। कोर्स बुनियादी तौर ‘पाण अभ्यास करण’ ते आधार रखंदड़ आहे। इहा गाल्हि ध्यान में रखी वेई आहे त शागिर्द खे बोलीअ जी बुनियादी जाण आहे। उहो आधार समुझंदे हिन कोर्स जी सामग्री तयारु कई वेई आहे। हरहिक सबक में भूमिका, सिखण जा नतीजा, बुनियादी सबक, अचो त समुझूं, सबक बाबत सुवाल, वधीक जाण वगैरह डिनल आहिनि। जीअं शागिर्द सबकनि खे तमाम बहितर नमूने समुझी सघनि ऐं शागिर्दनि में लिखण ऐं पंहिंजा वीचार जाहिरु करण जी काबिलियत वधी सघे।

हिन कोर्स खे सिखण जे लाइ शागिर्दनि लाइ जुदा-जुदा हंधनि ते शागिर्द सम्पर्क क्लासनि जो बि बंदोबस्त कयलु आहे। उन्हनि मर्कज़नि में वजी करे शागिर्द पंहिंजा सुवाल पुछी सघनि था ऐं शक दूर करे सघनि था। सागिए वक्ति उन्हनि मर्कज़नि में बियनि शागिर्दनि सां बि राबतो काइमु करे सघनि था।

10. मुल्ह मापण जी योजना

खुदि मुल्ह मापणु-

खुदि मुल्ह मापणु हिकु लागीती क्रिया आहे, जंहीं में भाषा जी जाण वधंदी रहे थी। कोर्स में डिनल जुदा-जुदा किस्मनि जा सुवाल, मशिगूलियूं हल करे शागिर्द मुल्ह पंहिंजो पाण मापे सघनि था। 'वधीक जाण' हासिल करे शागिर्द पंहिंजो ज्ञान वधाए सघनि था। जुदा-जुदा मशिगूलियूं पूरियूं करे शागिर्दनि में हिक किस्म जी खुशी पैदा थींदी। 'पाण करियो पाण सिखो' हिन मते ते कोर्स तयारु कयो वियो आहे।

बाहिरी मुल्ह मापणु-

कोर्सु पूरो करण बइदि शागिर्दनि जो इम्तिहान वरितो वेंदो। सर्टीफिकेट लाइ इम्तिहान फ़कति क्लास 5 खां पोइ रखियो वेंदो। मुल्ह मापण जा ब तरीका हूंदो- अंदिरियों मुल्हु मापणु (20 सैकड़ो या 20 मार्कू) ऐं बाहिरियों मुल्हु मापणु (80 सैकड़ो या 80 मार्कू)। अंदिरियों मुल्हु मापण में ज़िबानी इम्तिहान, मशिगूलियूं प्रोजेक्ट कम डिठा वेंदो। टर्म जे पछाड़ीअ में रिथियल इम्तिहानु वरितो वेंदो, जंहीं में 80 मार्कू रखियल हूंदियूं।

मुल्हु मापणु सभिनी क्लासनि में थींदो। सर्टीफिकेट इम्तिहान क्लास 5 ते आधार रखंदु हूंदो। हिन इम्तिहान जो असो 2.5 कलाक रहंदो। हिन में सबक जे आधार ते सुवाल हूंदो। घणनि मां चूंड (MCQ), नंढा सुवाल, वडा सुवाल, ऑब्जेक्टिव सुवाल हूंदो। मुल्ह मापण में सुवाल अहिडे नमूने रखिया वेंदो, जंहीं में शागिर्दनि जी बोलीअ / भाषा जी समुझ, मसइलो हल करणु, कल्पना शक्ती, इन्हनि सभिनी गाल्हियुनि जो मुल्हु मापियो वेंदो।

सबकनि ते तव्हांजो रदअमल

पहिरियों मोडु

सबकः नम्बर	सबकः जो नालो	पढियल सामग्री		भाषा		कहाणी सामग्री रोजानी हयातीअ सा वास्तवर आहे		तस्वीरूं		मशिंगूलियूं		तव्हीं छा सिख्या		
		सवली	डुखी	सवली	डुखी	हा	डुखी	उपयोगी	वाणंदडु पर उपयोगी नाहिन	वाणंदडु ऐं उपयोगी	वाणंदडु पर उपयोगी न	अण-उपयोगी	तमाम उपयोगी	कुझ उपयोगी
1.	जे संसार में सिजु न हुजे हा													
2.	थोरी बचत घणी राहत													
3.	मिठिड़ी मुर्क													
4.	भरत जो प्यार													
5.	निमाणी नूरी													
6.	स्वामी सुखदेव साहिब													
7.	देश असांजो													
8.	वाघु													
9.	सिंधी लोक नृत्य													
10.	वण टिण ऐं बेला													
11.	कोरोना													

चोथों मोडु

टियों मोडु

प्यारा शागिर्द,

उमेद आहे त मुक्त बेसिक शिक्षा जी हीअ सामग्री पढ़ी तव्हांखे आनंद आयो हूंदो। असां पढण जी सामग्रीअ खे वक्ताइतो उपयोगी ऐं वणंदडु बणाइण जी पूरी कोशिश कई आहे। हिननि सबकनि जरीए तव्हांजे हयातीअ जी क़ाबिलियत वधाइण जी कोशिश कई वेई आहे। सबक सां गडु ऐं सबक जे पछाडीअ जा सुवाल इनकरे ई डिना विद्या आहिन, जीअं तव्हां विषय खे समुझी रोजानी हयातीअ में उनजो इस्तेमालु करे सघो।

तव्हांजे रदअमल जे आधार ते असीं इन में सुधारो कंदसीं। कुर्बु करे, कुझु वक्तु कढी, हीउ फार्म भरे करे असांखे मोकिलियो। तव्हांजे सहकार लाइ शुक्राना।

तइलीमी आफ़ीसर (सिंधी)

बियों मोडु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अव्हांजा राया

छा अव्हां सिंधीअ जो को बियो किताब पढियो आहे?

हा / न

जेकडुहिं हा, त उन बाबति कुझु लिखो-

नालो : _____

विषय : _____

रोल नम्बर : _____

किताब नम्बर : _____

ऐड्रेस : _____

तपास
टिप्पणी

शैक्षिक अधिकारी
सिंधी
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
सेक्टर-62, नोएडा (उत्तर प्रदेश)
फोन- 201309

हिन सां लगुल स्वीकार कोन्हें